राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 25.00 संख्या 374
ड्रैकुला का हमला
सुपर कमांडो ध्रुव
जीतिए
लाखों रुपयों के उपहार। इस विशेषांक में है
नागराज मेगा कांटेस्ट का प्रवेश पत्र

ओफ़! ये भूख! अंतड़ियां ऐंठ रही हैं! सूख रही हैं! इनको तरावट चाहिए! जवान खून की तरावट! किसी जवान युवती का रक्त ही मेरी क्षुधा शान्त कर सकता है!
लेकिन इस इलाके के इंसानों को मेरी कमजोरी का पता चल गया है! उन्होंने सारी जवान लड़कियों को यहां से भेज दिया है!
और इस कमजोर हालत में अपने इलाके से बाहर जाने का खतरा मोल नहीं ले सकता!
मैं अपना शिकार यहीं पर ढूंढूंगा! मिलेगा! मुझे शिकार जरूर मिलेगा! काउंट ड्रैकुला जो चाहता है वह उसे जरूर मिलता है!

और इस वक्त ड्रैकुला को खून चाहिए! एक जवान लड़की का खून!
भूखे शिकारी की नजरें अपने शिकार को ढूंढ़ ही निकालती हैं-
चाहे वह शिकार सात पर्दों में ही क्यों न छुपा हुआ हो-

और एक बार शिकार पर नजर पड़ते ही, शिकारी की भड़कती हुई भूख बर्दाश्त से बाहर हो जाती है-

और शिकारी बगैर एक भी पल गंवाए-

छनाक
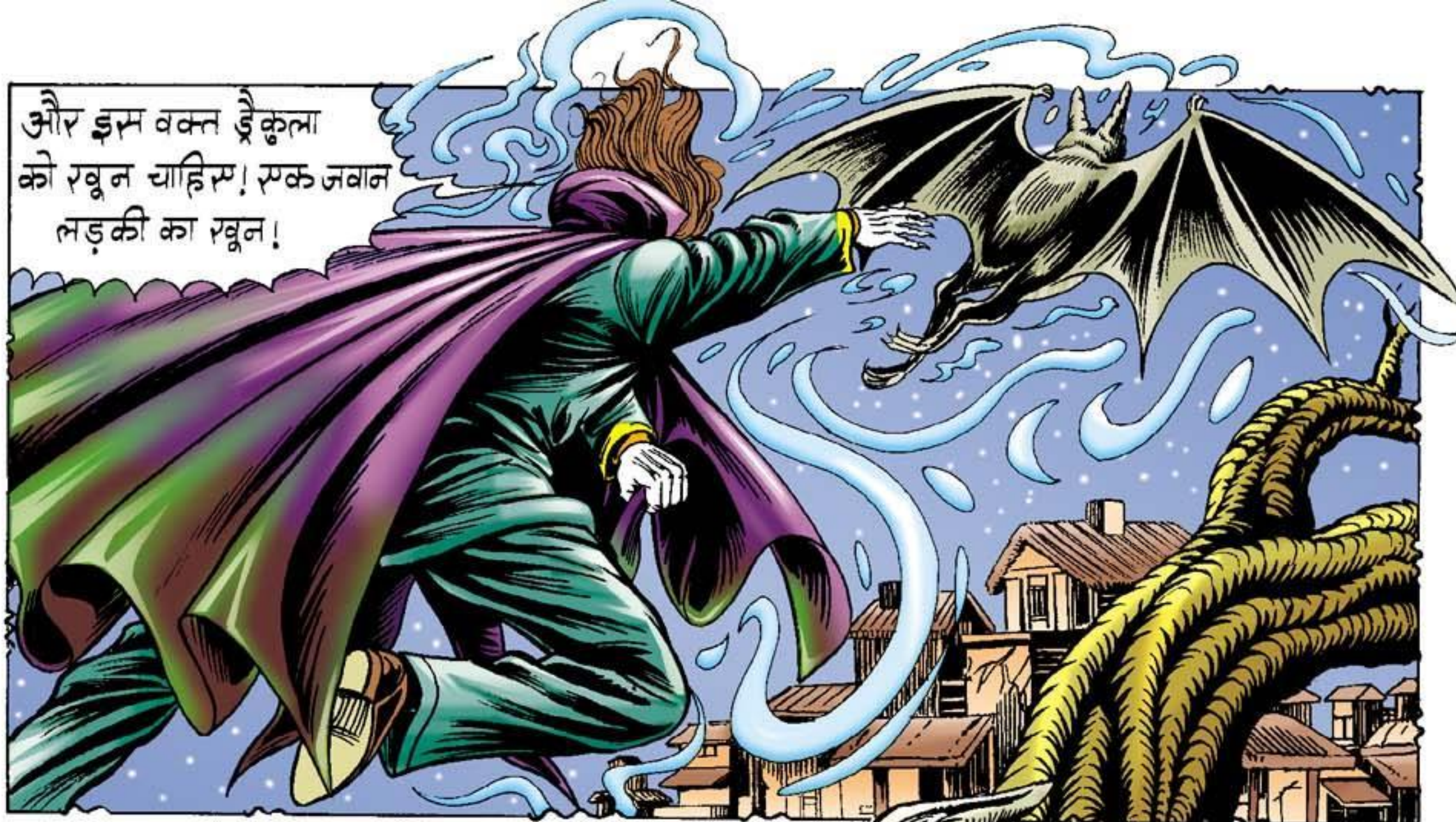
शिकार पर टूट पड़ता है-

और तब उसको पता चलता है-

कि वह शिकार नहीं, शिकार फंसाने वाला चारा है-

ये... ये तो मोम की गुड़िया है!

कड़ाकक
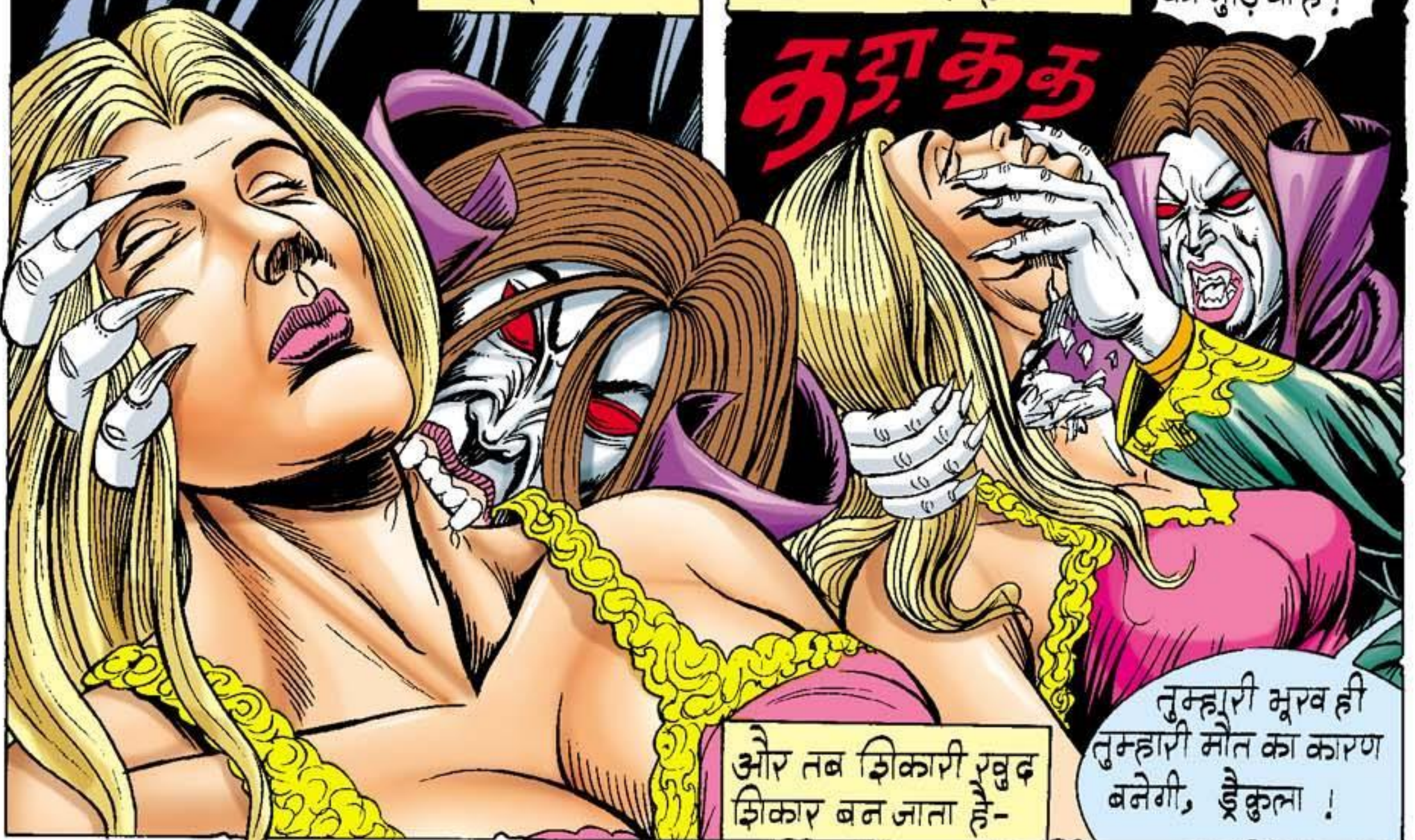
और तब शिकारी खुद शिकार बन जाता है-

तुम्हारी भूख ही तुम्हारी मौत का कारण बनेगी, ड्रैकुला!

...तुम हमारे जाल में फंस गए हो! और यहां से तुम जिन्दा बाहर नहीं जा सकते!
डोलन! तो... ये... ये सब एक सोची समझी हुई योजना थी! लेकिन तुमने मुझे यहां पर बुलाकर मेरी नहीं, बल्कि अपनी मौत को बुलाया है!
दरवाजे और खिड़कियों पर मुझे भागने सेरोकने के लिए लहसुन की मालाएं लटकानी बेकार है! मैं यहां से भागूंगा नहीं...
मुझे तो भूख मिटानी ही है! खून पीना है मुझे! लड़की का न सही तो मर्द का सही! जवान का खून न मिले तो बूढ़े का पतला खून भी चलेगा!
हम वैम्पायर उन्मूलन समिति के सदस्य हैं, ड्रैकुला! तुम्हारी कमजोरियों को भी पहचानते हैं और अपनी ताकतों को भी! तुम अब कुछ नहीं पियोगे!
आज की रात तुम्हारी नापाक जिन्दगी की आखिरी रात होगी!
आज तुम मरोगे ड्रैकुला! आज तुम मरोगे!
घटाक
हा हा हा! ड्रैकुला इन मामूली हथियारों से नहीं मर सकता मूर्खो!

अब तो मैं क्रॉस तक से नहीं डरता! ले, देख ले! क्रॉस को पकड़ लिया मैंने!
और... और तुम्हारे हाथ जले तक नहीं! प्रभु के निशान पर विजय प्राप्त कर ली तुमने! हमको सही सूचना मिली थी कि तुम्हारी शक्तियां अब उत्थान की ओर हैं!
सही सुना है तुमने! अब तो मैं उगते और डूबते सूरज की किरणों को भी सह सकता हूं! अब वे मेरे शरीर को जलाती नहीं हैं!
जल्दी ही सूर्य भी मेरा दुश्मन नहीं रहेगा! फिर रात हो या दिन, ड्रैकुला बेखटके कहीं पर भी आ-जा सकेगा!
लेकिन... अरे! ये सूचना तो अत्यंत गुप्त है!
मेरे अलावा और कोई यह बात नहीं जानता! फिर ये सूचना तुमको कहां से मिली?
फरिश्ते गैब्रियल से! और उसी फरिश्ते ने तुमको खत्म करने का रास्ता भी दिखाया है हमको!
गै... गैब्रियल! क्या बताया उसने?
यही कि तुमको किसी संत की हड्डियों से बना क्रॉस मार सकता है!

संत! हा हा हा! अरे संत तो गुजरे जमाने की बात बन गए हैं! आजकल तो सिर्फ मेरे जैसे पापी पैदा होते हैं, संत नहीं! जब संत नहीं मिलता तो संत की हड्डियां कहां से मिलेंगी?
उन पुराने संतों की तो हड्डियां तक गलकर पानी बन चुकी होंगी!
तब तो तुमने यह नहीं सुना कि महान समाज सेवक प्रभु के दास यूलोजियन को अभी- अभी पोप ने संत की उपाधि प्रदान की है!
लेकिन वह तो अभी जिन्दा है! और अभी जल्दी मरने वाला भी नहीं है! फिर तुझे उसकी हड्डियां कहां से मिलेंगी, डोलन?
उन्होंने प्रभु के नाम पर पाप मिटाने के लिए अपना बलिदान देने का संकल्प लिया था!
एक महीने से खाना- पीना छोड़ रखा था उन्होंने! और कल से उन्होंने सांस लेना तक बंद कर दिया था! और प्रभु की लीला देखो! मरते ही उनके शरीर से मांस और खाल अपने आप लुप्त हो गई! अब बचा है तो हड्डियों का ढांचा! तुम्हारी मौत का सामान!
ओह! लेकिन ड्रैकुला अमर है! उसको... कुछ- कुछ भी नहीं मार सकता! अरे, अभी मैं कैसे मर सकता हूं! अभी- अभी तो मैंने नई- नई शक्तियां प्राप्त करनी शुरू की हैं!
ये सिलसिला यहीं पर खत्म होगा ड्रैकुला!

तुम्हारी मौत की घड़ी आ गई है ड्रैकुला!
जब पकड़ पाओगे तब ये क्रॉस मेरे सीने में उतारोगे न!
पहले ढूंढ़ो तो कि ड्रैकुला है कहां?
ओह! क्रॉस मेरे हाथों से छूटकर खिड़की से बाहर जा गिरा है!
अब ऐसे ही तुम सबकी जिन्दगियां भी तुम्हारे हाथों से छूट जाएंगी!
ड्रैकुला का विकराल रूप था वह-
धांय
एक-एक करके 'वैम्पायर उन्मूलन समिति' के सदस्यों के बदन खून से खाली होते जा रहे थे-
चुसचुस
आह! हा हा हा! भूख मिट गई ड्रैकुला की! सुना था कि इंसानों को मौत बुलाती है! लेकिन यहां पर तो मौत को इंसानों ने बुला लिया! अब कौन मारेगा ड्रैकुला को! अरे, कोई है? आओ, मारो ड्रैकुला को!
कट
कट
कोई नहीं है! कोई नहीं है ऐसा इस दुनिया में! अरे... ये आवाज कैसी?

अरे! अरे! ये... ये हड्डियों का ढांचा अपने आप उठकर कैसे खड़ा हो रहा है? ये कैसा चमत्कार है?
बाहर जाने के सारे रास्तों पर टंगी लहसुन की मालाएं मुझे बाहर जाने से रोक रही हैं!
लेकिन भागने की क्या जरूरत है? ये हड्डियों का ढांचा मेरा भला क्या बिगाड़ लेगा!
जो उसके अंत का कारण बन गई-
इसको मैं तोड़ डालूंगा! टुकड़े-टुकड़े में बांट दूंगा इसको!
ड्रैकुला यहीं पर वह गलती कर गया-
कड़ड़
अरे! सारी हड्डियां क्रॉस के रूप में जुड़ रही हैं! और ये सब एक साथ अलग-अलग दिशाओं से मुझ पर हमला कर रही हैं!
हमला चारों तरफ से हो रहा था-

और ड्रैकुला चारों तरफ एक साथ नहीं देख सकता था-
ये... ये हड्डियों का चक्रवात मुझे धुंए में भी बदलने नहीं दे रहा है! मेरी शक्तियां... मेरी शक्तियां...
... आssss ह!
और इस तरह से ड्रैकुला का शरीर धूल के ढेर में बदल गया! सुबह होने पर लोगों ने बगैर क्रॉस को हटाए उस धूल को उठाकर...
... उसी के किले के अहाते में दफन कर दिया! ड्रैकुला का धूल बना शरीर अभी भी वहीं पर दफन है! और वह हड्डियों का क्रॉस अभी भी उसके शरीर में धंसा हुआ है!
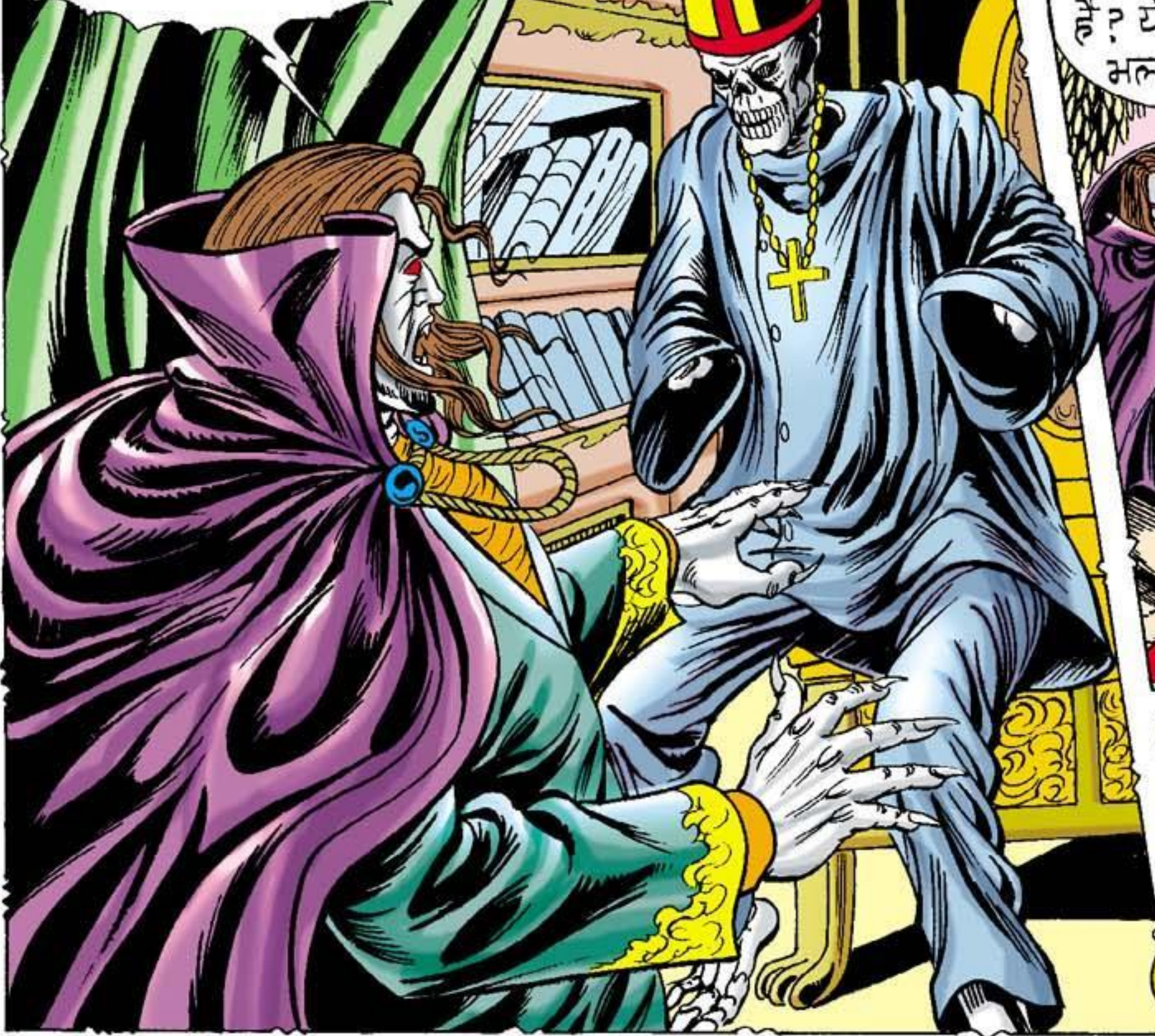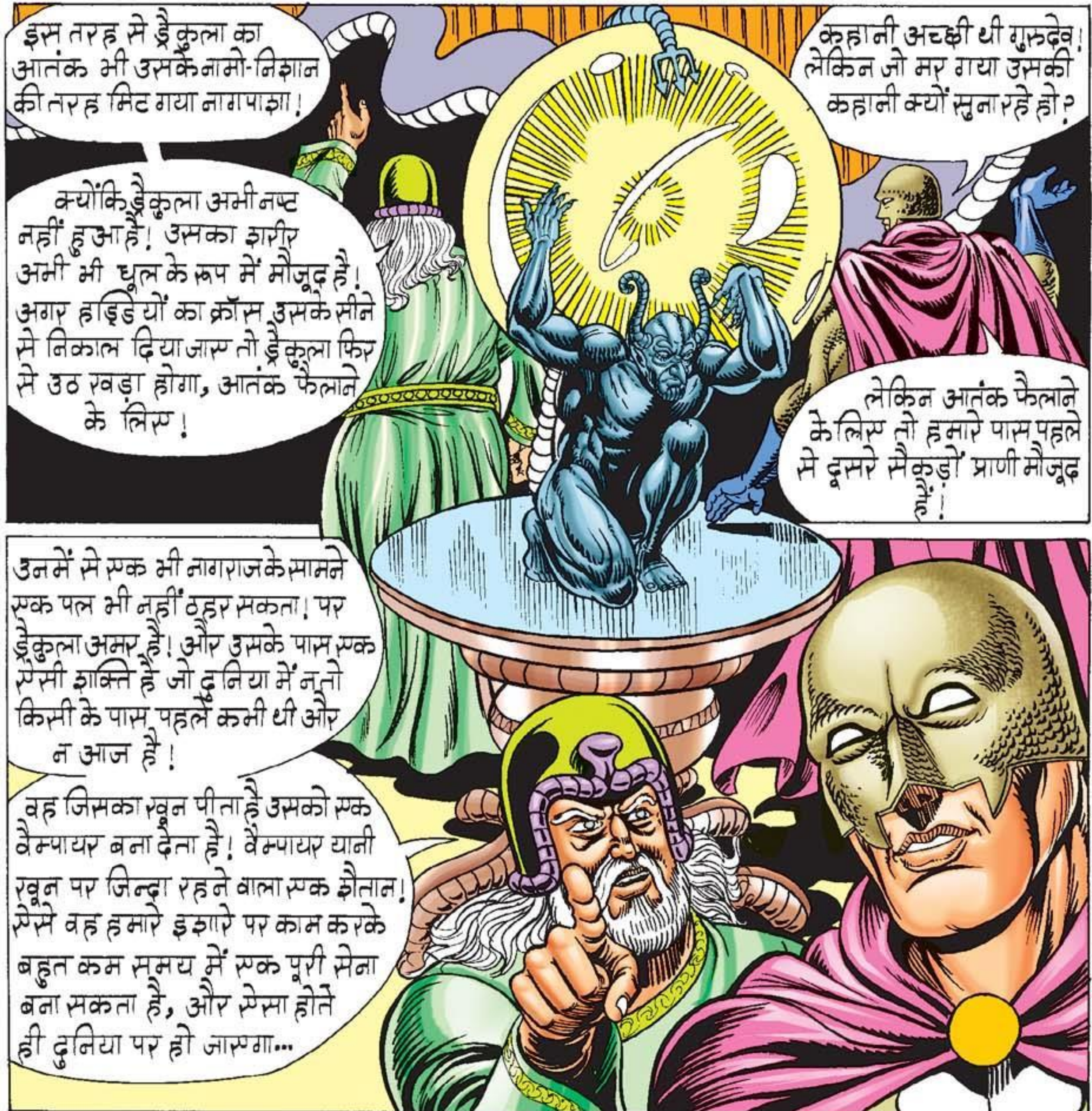
# ड्रैकुला का हमला

संजय गुप्ता की पेशकश

| कथाः | चित्रः | इंकिंगः | सुलेख एवं रंगसज्जाः | सम्पादकः |
|---|---|---|---|---|
| जॉली सिन्हा | अनुपम सिन्हा | विनोदकुमार | सुनील पाण्डेय | मनीष गुप्ता |

... और तब हम सिर्फ नागराज ही नहीं बल्कि ध्रुव, डोगा, परमाणु, स्टील और यहां तक कि शक्ति और एंथोनी जैसे आतंकवाद के दुश्मनों का भी नाश कर सकेंगे!
एक बार ये रास्ते के रोड़े हट जाएं तो हम दुनिया में फिर से अपना आतंकवाद स्थापित करने में सफल हो सकते हैं!
मुफ्त की सेना का आइडिया तो अच्छा है गुरुदेव! ड्रैकुला, नागराज का काम भी तमाम कर सकता है! लेकिन ड्रैकुला हमारे वश में भला क्यों रहेगा?

वह तू मुझ पर छोड़ दे! तू तो बस रुमानिया चलने की तैयारी कर ले!
रुमानिया चलने की तैयारी? पर क्यों, गुरुदेव?
अरे मूर्ख, रुमानिया में ही तो है ड्रैकुला का वह किला जिसके अहाते में ड्रैकुला दफन है!
अ... आप अकेले ही आओ न गुरुदेव!

अकेले ही आओ! ड्रैकुला का नाम सुनते ही तू डर से कांपने लगा है! है न?
है तो गुरुदेव! बचपन से ही मैं ड्रैकुला का नाम सुनकर डरता आ रहा हूं! जब बचपन में मैं शरारतें करता था तो धाय मां ड्रैकुला का नाम लेकर ही डराती थीं!
तब तू बच्चा था! अब गुरुदेव तेरे साथ है! अब ड्रैकुला तेरे नाम से थरथर कांपेगा!
या... यानी बगैर मेरे चले काम नहीं चलेगा?

चलता तो मैं अकेला ही चला जाता! तुझसे साथ चलने को न कहता! अब चल! ...
... और ड्रैकुला को कभी इस बात का आभास मत होने देना कि तू उससे डरता है!
च... चलो गुरुदेव! मैं रास्ते में हिम्मत बटोर लूंगा! ... पर नागराज की मौत को जगाकर ही रहूंगा!
उसका विनाश ही अब मेरे अनंत जीवन का एकमात्र मकसद रह गया है!

रूमानिया- वह देश जहां की धरती पर ड्रैकुला एक न टूटने वाली निद्रा में सोया हुआ था-
यही है ड्रैकुला का वह किला, जिसके अहाते में ड्रैकुला की कब्र बनी हुई है!
लेकिन यह जगह तो एकदम सुनसान है! इतने बड़े किले पर अभी तक न तो यहां की सरकार ने कब्जा किया और न ही आज से पहले हमारे जैसा कोई शैतान, ड्रैकुला को आजाद कराने यहां पर आया! यह बात कुछ हजम नहीं हो रही है गुरुदेव!
डर के मारे तेरा दिमाग कुछ ज्यादा ही तेज चल रहा है। वैसे तेरी बात विचार करने लायक तो है, लेकिन यह बात सत्य है कि ड्रैकुला को हमारे अलावा और कोई जगा ही नहीं सकता!
हममें ऐसा क्या है गुरुदेव? मुझे भी तो बताओ?
अभी तुझे खुद ही पता चल जाएगा! देख, वो रही ड्रैकुला की कब्र!
आओ! हमको उसमें धंसे हड्डियों के क्रॉस को कब्र से अलग करना है!
ये जीवित प्राणियों के लिए निषिद्ध स्थान है!

अगर ऐसे ही जीवित अवस्था में रहना चाहते हो, तो वापस मत आना!
भेड़िया! पंखधारी भेड़िया!
ये जरूर ड्रैकुला का वैम्पायर सेवक होगा! अब समझे नागपाशा कि यहां की सरकार अभी तक इस किले पर कब्जा क्यों नहीं कर पाई?
और अब तक कोई और शैतान ड्रैकुला को जगाने में सफल क्यों नहीं हो पाया?
ये सेवक नहीं चाहता कि ड्रैकुला की कब्र के आस-पास भी कोई फटके। ये नहीं चाहता कि ड्रैकुला को कोई हमेशा के लिए नष्ट कर दे।

इसको समझाना पड़ेगा कि हम ड्रैकुला की मदद करने आए हैं, उसको नुकसान पहुंचाने नहीं!
र... रहने दो न गुरुदेव! बेकार के झगड़े का क्या फायदा? ड्रैकुला सो रहा है, उसे सोने दो! हम... हम कोई और इंतजाम कर लेंगे।
चुप रह, नागपाशा! वर्ना वैम्पायर भेड़िया से पहले मुझे तुझको सबक सिखाना पड़ेगा!
ले! इस 'शक्तिवृत्त' से भेड़िया वैम्पायर बाहर नहीं निकल पाएगा!
अब चल ड्रैकुला की कब्र की तरफ!
हैं...
घप
टप
गुरुदेव! इसने तो 'शक्तिवृत्त' को कागज की तरह फाड़ डाला!
और अब ये मेरी तरफ आ रहा...
गुरुदेव! बहुत अंधेरा है! मुझे यहां से बाहर निकालो!
ओफ्! भेड़िए ने असावधान नागपाशा के सर को काटकर निगल लिया है!...

... ये तो अच्छा है कि नागपाशा को काटने से भी उसका खून नहीं टपकता! वर्ना नागपाशा का अमृत मिला विष पीकर ये अविनाशी हो सकता था! जिसका कभी नाश किया ही नहीं जा सके! ... खैर अभी तो मुझे खुद भी इस प्राणी से बचना है और नागपाशा को भी बचाना है!
मेरे पास शक्तियां तो बहुत हैं! और कोई न कोई शक्ति इस पर असर करेगी भी! लेकिन वह शक्ति कौन सी होगी यह चुनने का समय मेरे पास नहीं है...
... न जाने इसकी वैम्पायर शक्ति नागपाशा पर क्या असर कर रही होगी?
लेकिन एक तरीका है मेरे पास! ऐसा तरीका जिससे नागपाशा भी आजाद हो सके और वैम्पायर भेड़िया भी नष्ट हो सके!
यह क्या कर रहे हो, गुरुदेव? यह तो मेरा हाथ है जो इसके पेट में सरक आया है! इसने तो सिर्फ मेरा नाश्ता किया था, पर आप तो इसको डिनर में पूरा नागपाशा परोसकर दे रहे हैं!

वैम्पायर भेड़िए के पेट में पड़ा नागपाशा का सिर चीखता रहा लेकिन गुरुदेव ने उसकी चीखों पर कोई ध्यान नहीं दिया-
और कुछ ही देर बाद पूरा नागपाशा, भेड़िए का भोजन बन चुका था-
ये क्या कर डाला गुरुदेव? क्या अब मुझको हमेशा के लिए इसके बदबूदार पेट में ही रहना पड़ेगा?
नहीं शिष्य! तेरा सिर अकेला कुछ नहीं कर सकता था। लेकिन अब तेरा शरीर फिर से पूरा बन गया है, नागपाशा! अब तू बाहर आने के लिए...
... इसके पेट को फाड़ डाल!
फ़ड़ड़ड़ड़
ओ हा हा हा! अच्छी चाल थी गुरुदेव!
तुमने तो इसे खिला-खिलाकर मार डाला!
ज्यादा खुश मत हो! वैम्पायर पेट फटने से नहीं मरते! इसके घाव भरने से पहले कब्र से क्रॉस को उखाड़ डाल! जा!
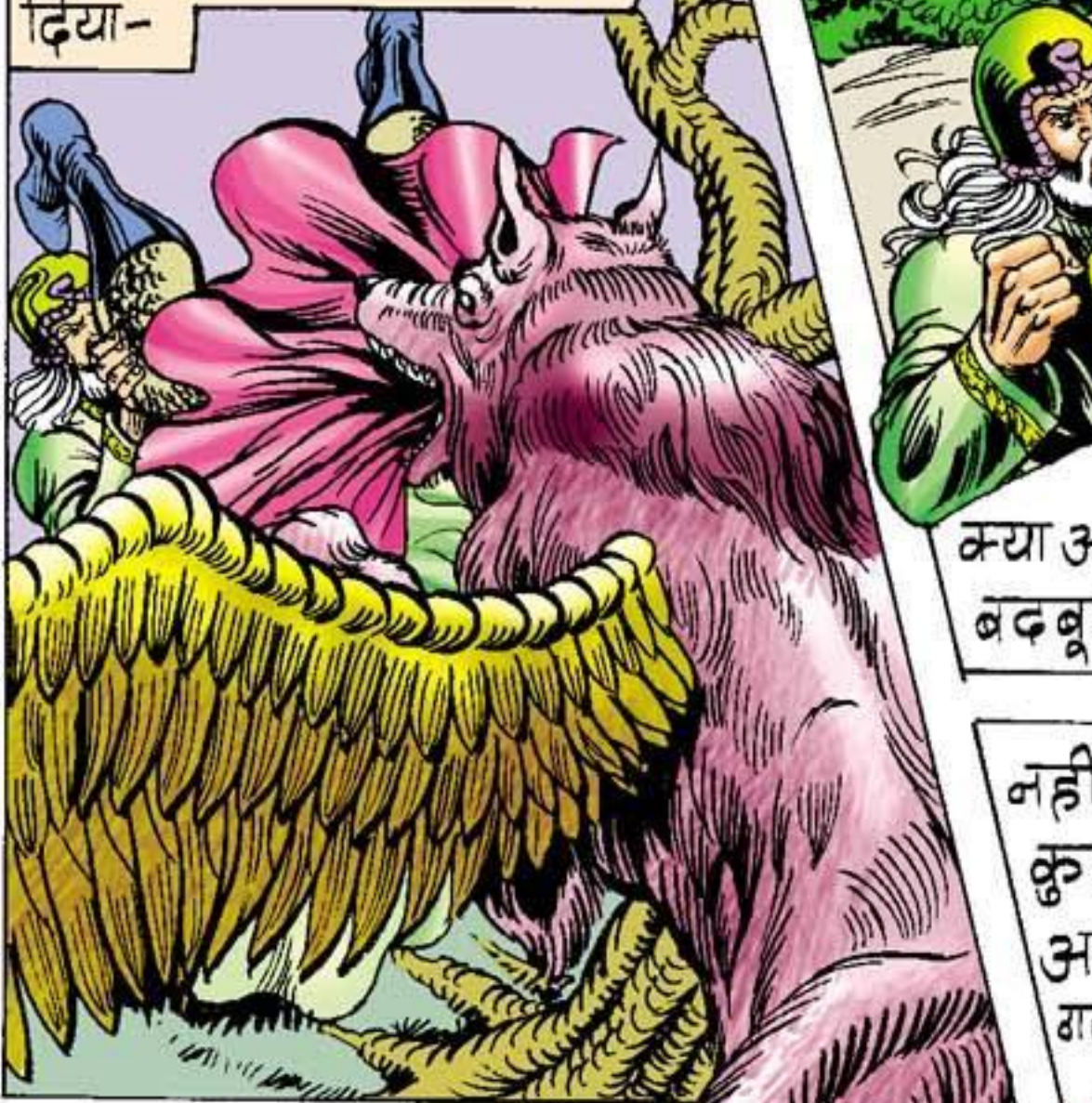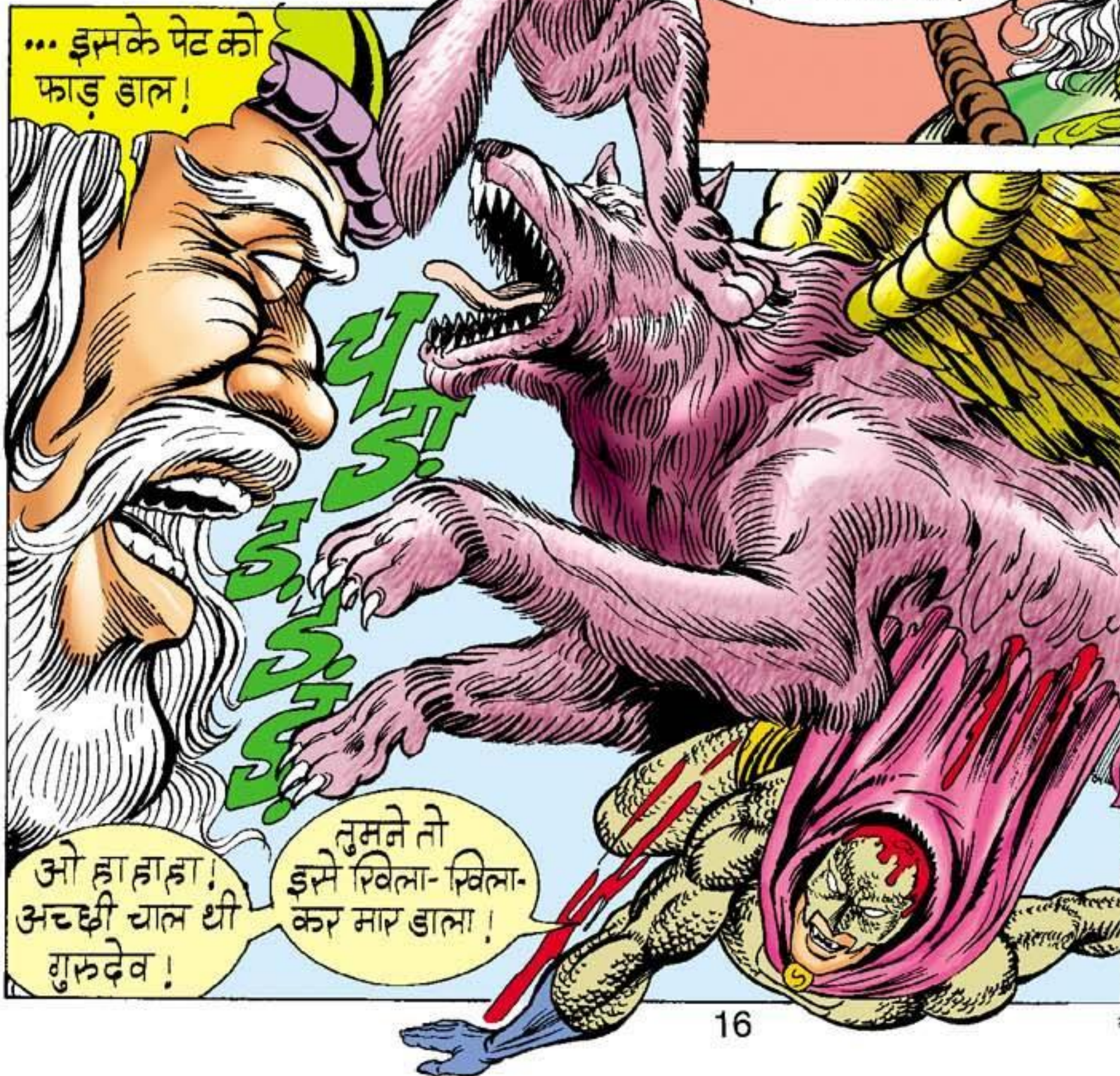


कहानी 19 पेज से जारी

चल, फटाफट खींचकर निकाल इस क्रॉस को!
अभी लो गुरुदेव!
नागपाशा ने क्रॉस की तरफ हाथ बढ़ाया-
और अगले ही पल ऐसे तड़पा जैसे उसने बिजली का नंगा तार पकड़ लिया हो-
आऽऽऽह! इसको छूते ही मेरे शरीर को ऊर्जा के तेज झटके लग रहे हैं!
और मेरा अमृत से युक्त शरीर भी इन झटकों को सह नहीं पा रहा है!
हा हा हा! हा हा हा!
ओह! वैम्पायर भेड़िया होश में आ गया है! लेकिन... तू हम पर हमला करने के बजाय हंस क्यों रहा है?
हमला इसलिए नहीं कर रहा, क्योंकि मैं समझ गया हूं तुम मेरे मालिक को नुकसान पहुंचाने नहीं आए हो!
और हंस इसलिए रहा हूं कि अगर ड्रैकुला मालिक की कब्र से ये क्रॉस निकालना इतना आसान होता तो इस काम को हम सेवक कब का कर चुके होते!
यानी इस क्रॉस को निकाला जा ही नहीं सकता!
निकाला जा सकता है! लेकिन ये संत यूलोजियन की हड्डियों का क्रॉस है! इसको यूलोजियन का कोई वंशज ही निकाल सकता है!
और जहां तक हम जानते हैं, यूलोजियन के वंश में अब कोई बचा ही नहीं है!
उसके वंश का अंत हो चुका है!
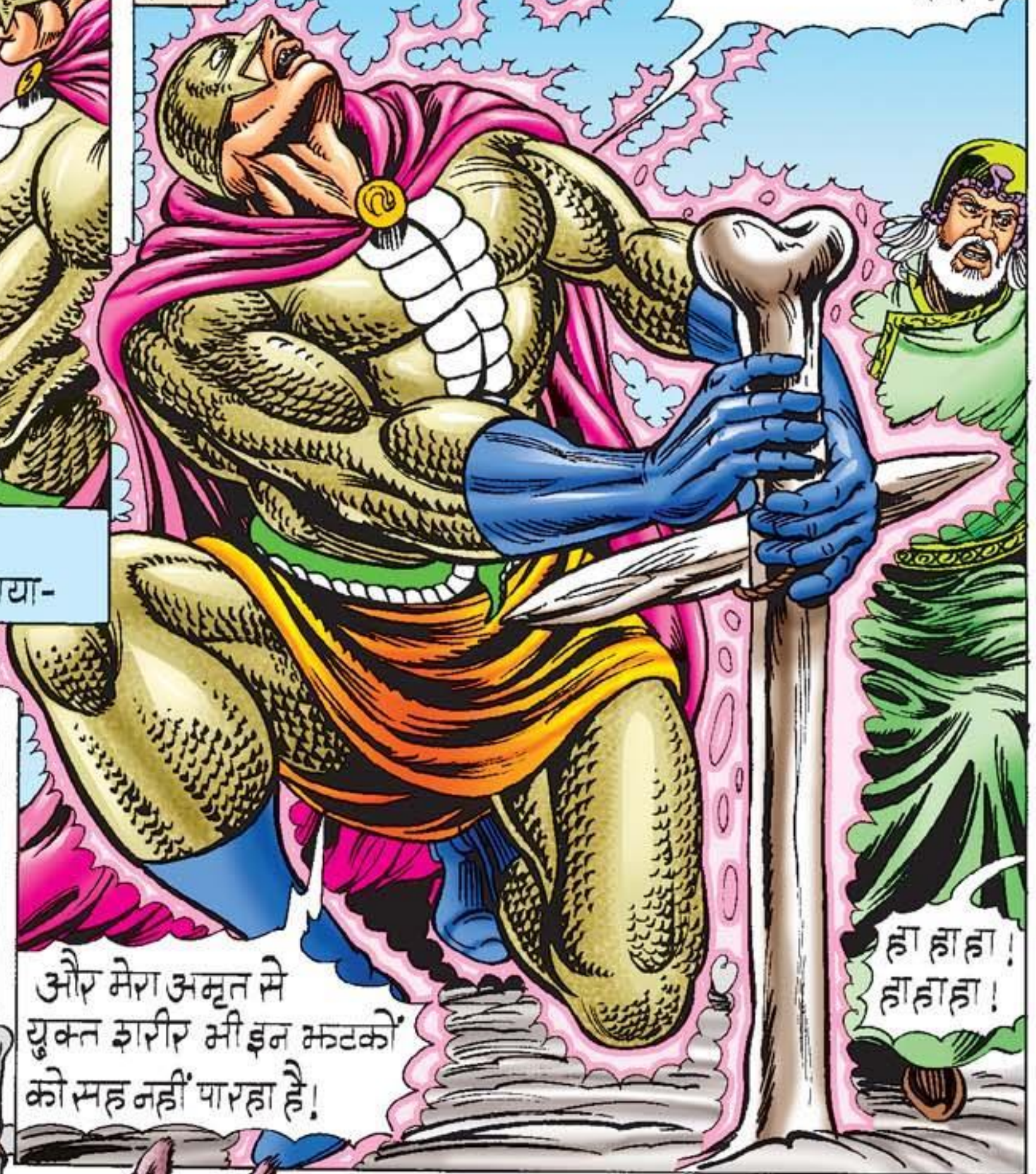
यानी इस क्रॉस को अब ड्रैकुला की कब्र से कभी भी बाहर निकाला नहीं जा सकता! अरे!... छुप जाओ!
कुछ लोग बातें करते हुए इधर ही आ रहे हैं!

तुम... तुम मुझको यहां पर क्यों लाई हो? क्या हमलोग पेरिस से रूमानिया में इसी किले को देखने आए हैं।
हां, मार्क! और तुमको एक बात और बता दूं, डरना मत...

... ये काउंट ड्रैकुला का किला है!
वही वैम्पायर काउंट ड्रैकुला जिसके बारे में कई डरावनी कहानियां मशहूर हैं!
हां, वही! और उनमें से अधिकतर कहानियां सच्ची हैं!
पर हम यहां पर क्यों आए हैं? हमारा काउंट ड्रैकुला से क्या संबंध है?

खून का रिश्ता! ड्रैकुला खून पीता है न!
क... क्या कह रही हो?
हा हा हा! सॉरी मार्क! मैं मजाक कर रही थी!
दरअसल अब ये किला काउंट ड्रैकुला का नहीं, मेरा है!

अब इसकी मालिक मैं हूं! यहां की सरकार ने सम्मान के तौर पर यह किला मेरे नाम कर दिया है!
तुमने यहां की सरकार पर ऐसा क्या एहसान कर दिया जो उन्होंने ये किला तुम्हारे नाम लिख दिया है, लोरी?
मैंने नहीं, एहसान मेरे परदादा जी के भाई ने किया था! शुरू से सुनो! कुछ दिन पहले मेरे पास रूमानिया सरकार से एक रिक्वेस्ट आई थी! मेरे 'ब्लड सैम्पल' के लिए! मैंने अपना 'ब्लड सैम्पल' भेजा था!
और कल ही रूमानिया के एयरटिकट के साथ मेरे पास ब्लड सैम्पल की रिपोर्ट आई थी! मेरे ब्लड सैम्पल का डी.एन.ए. मैच कर गया था!

किससे मैच कर गया तुम्हारा डी.एन.ए.?
संत यूलोजियन के डी.एन.ए. से! रूमानिया की सरकार ने संत यूलोजियन के वंशजों का पता लगाने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया था! और आखिरकार उनको संत के आखिरी वंशज का पता चल गया! यानी मेरा पता!
और डी.एन.ए. मैचिंग ने इस बात की पुष्टि कर दी कि मैं संत यूलोजियन की वंशज हूं!
छप्पर फाड़ के!
किस्मत जब देती है तो छप्पर फाड़कर देती है!
तू अपने मालिक को फिर से चलता-फिरता हुआ देखना चाहता है न भेड़िया?
हां!
तो जा! इस लड़की को काबू में करके इससे हड्डियों वाले क्रॉस को उखड़वा ले! बाकी काम हम पर छोड़ दे!
ठीक है! मैं अपना काम पूरा करता हूं, तुम अपना वादा पूरा करना!
अगले ही पल-
गर्र्र्र्र्र्र्र्र्र
लोरी! ये क्या है?
पता नहीं! शायद हमें रात के वक्त यहां पर नहीं आना चाहिए था!

✪ लोरी के विषय में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें वैम्पायर, चंडकाल की वापसी एवं हत्यारा कौन
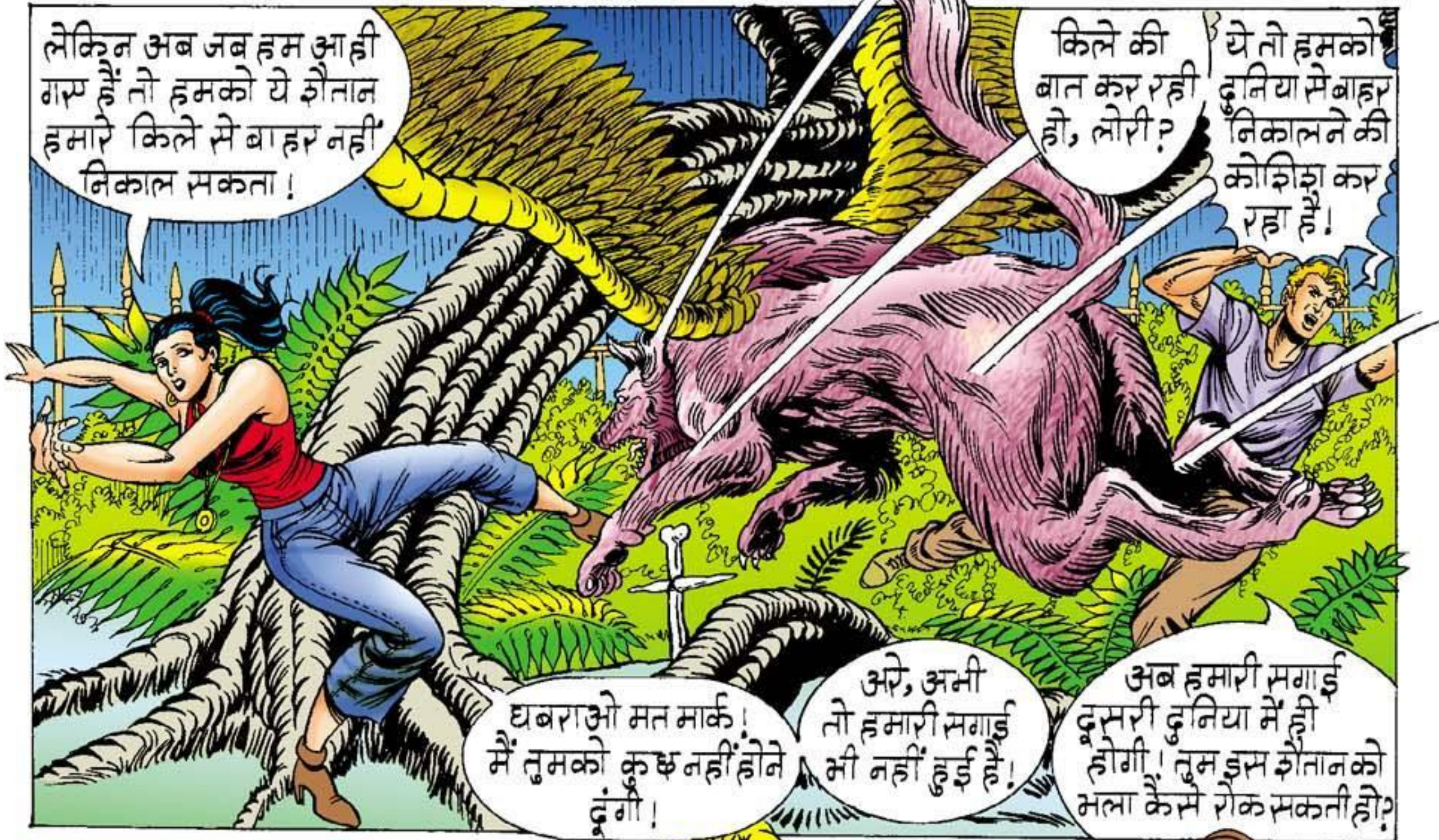
इस लड़की से मैं नहीं निपट सकता! इसके शरीर से एक अजीब सी ऊर्जा निकल रही है जो मेरी शक्तियों को खत्म कर रही है! ऐसी ऊर्जा तो मैंने पहले कभी नहीं झेली!
अब तुम ही जाकर इसको वश में करो!
अभी हमारा सामने आना ठीक नहीं है! सुनो, मैं तुमको बताता हूं इस लड़की के हाथों, ड्रैकुला की कब्र से क्रॉस निकलवाने का तरीका...
और फिर-
तू फिर आ गया! मेरे पिछले वार ने शायद तुम्हारा दिमाग दुरुस्त नहीं किया!
लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा! अब मेरा वार तुमको दुबारा उठने नहीं देगा!
जरूर कर वार, लड़की! पर ये याद रखना!
उधर तू वार करेगी, और इधर तेरा दोस्त अपनी जान हारेगा!
कर वार और इसकी गर्दन को मुड़ता हुआ देख!
लोरी!
ओ... ओ. के. ओ. के.! क्या... क्या चाहते हो तुम?
मामूली सा काम है!
इस किले में गंदगी बहुत है! चारों तरफ हड्डियां बिखरी हुई हैं!
सफाई कर दो!
और शुरुआत उन हड्डियों से करो जो वहां पर जमीन में धंसी हुई हैं!
अब जाओ! वर्ना तेरे मंगेतर की गर्दन...
ओ. के., ओ. के.! जाती हूं!
इसको नुकसान मत पहुंचाना!
प्लीज!

क्रॉस तो निकल गया, गुरुदेव! लेकिन ड्रैकुला जिन्दा नहीं हुआ!
होगा! जरा धीरज रख नागपाशा! पहले मैदान तो साफ होने दे!
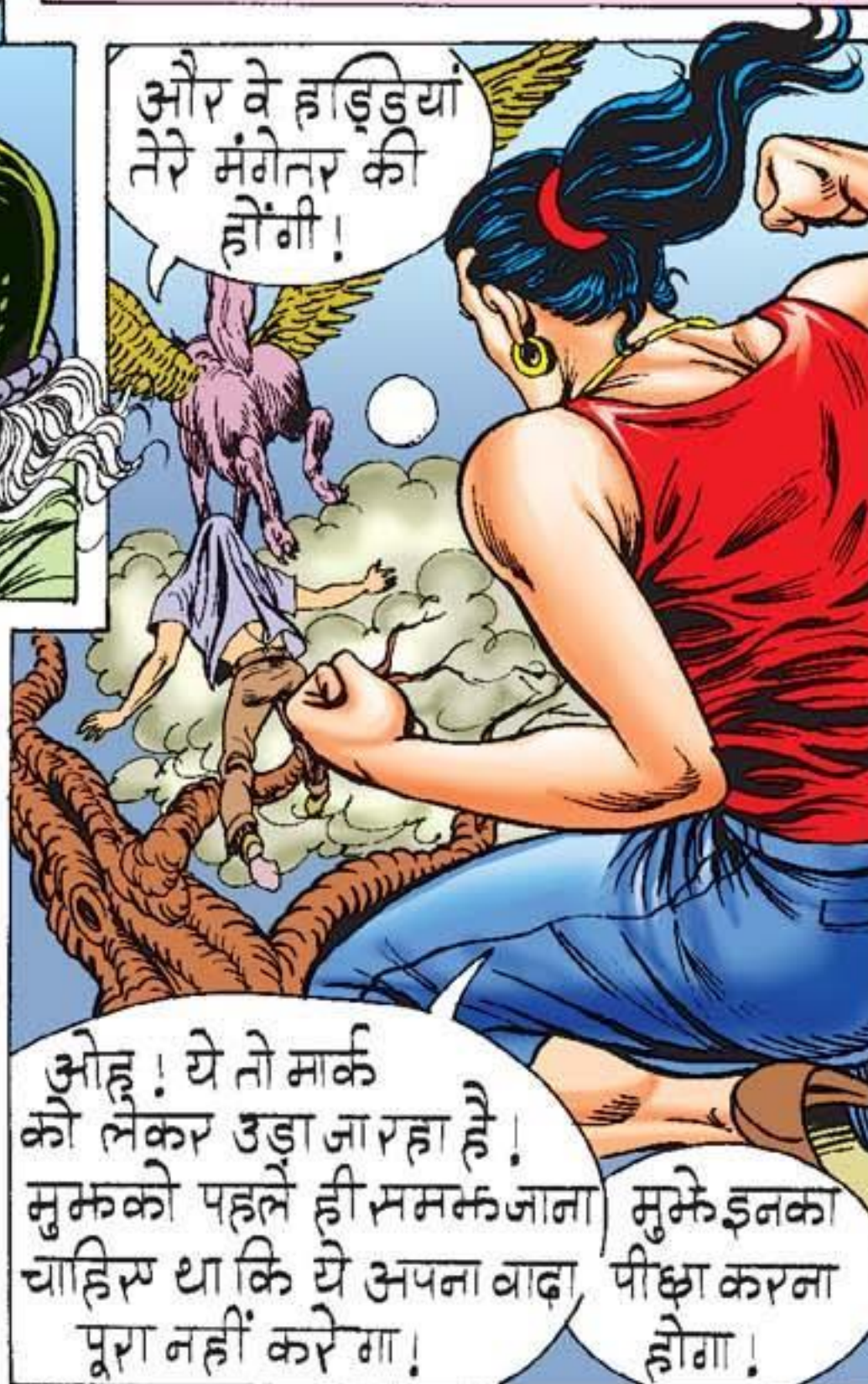
और वे हड्डियां तेरे मंगेतर की होंगी!

ओह! ये तो मार्क को लेकर उड़ा जा रहा है! मुझको पहले ही समझ जाना चाहिए था कि ये अपना वादा पूरा नहीं करेगा!
मुझे इनका पीछा करना होगा!

अब मैदान साफ हो गया है नागपाशा! उस लड़की के यहां रहते अगर ड्रैकुला उठ खड़ा होता तो कुछ गड़बड़ हो सकती थी! इसलिए मेरी बनाई हुई योजना के अनुसार भेड़िया वैम्पायर उस लड़की को यहां से दूर ले गया है। अब आओ! हमें ड्रैकुला को उसके हाड़-मांस के स्वरूप में वापस लाना है!
हम...हम ड्रैकुला का भला क्यों जिन्दा करेंगे?

हूंsss?
मेरा मतलब कैसे करेंगे? मैं... मैं डर नहीं रहा हूं गुरुदेव! डर नहीं रहा हूं!

डरना भी मत! अब सुन! ड्रैकुला अभी 'धूलरूप' में है! उसको हाड़-मांस का शरीर वापस दिला सकता है तो सिर्फ अमृत!
जो तेरे रक्त के साथ तेरे शरीर में दौड़ रहा है!

इस कब्र पर अपना एक बूंद रक्त टपका! सिर्फ एक बूंद! ज्यादा नहीं!
वर्ना ड्रैकुला जिन्दा होकर हमसे भी अधिक शक्तिशाली हो जाएगा!
एक बूंद पीकर जिन्दा होगा, फिर मेरा सारा रक्त पी जाएगा ड्रैकुला!
चुप कर! मैं हूं न तेरे साथ! अब रक्त टपका!

धूल भरी कब्र पर नागपाशा का अमृत मिश्रित रक्त गिरते ही-

कब्र में एक अजीब सी हलचल होने लगी-

और कुछ ही पलों के बाद उस हलचल से वह तूफान उठ खड़ा हुआ, जिसको गए जमाने की दुनिया ड्रैकुला के नाम से बुलाती थी-
जीवितों की दुनिया में महावैम्पायर काउंट ड्रैकुला का स्वागत है!
किसने जिन्दा किया मुझे? किसने मेरे सीने में धंसा अस्थि क्रॉस निकाला है? और मेरा धूल स्वरूप इस शरीर में कैसे बदल गया?
तुमको हमने जीवित किया है, ड्रैकुला! ताकि तुम पूरी दुनिया में विनाश फैला सको, और जो तुम्हारा रास्ता रोकने आए उनको मौत के घाट का रास्ता दिखा सको।
तुम्हारे सीने में धंसा क्रॉस हमने निकाला है और तुमको शरीर का स्वरूप नाग-पाशा के अमृत मिश्रित रक्त ने प्रदान किया है!

नागपाशा? नागपाशा कौन है? और तुम... तुम कौन हो? मुझे फिर से जगाने के पीछे तुम्हारा क्या मकसद है?

मुझे दुनिया गुरुदेव के नाम से बुलाती है! और मेरी जिन्दगी का एक ही मकसद है! अपने अमर शिष्य नागपाशा की हुकूमत को पूरी दुनिया पर फैला हुआ देखना!

तुम्हें जिन्दा करने का मकसद हमारी इस मुहिम में तुम्हारी मदद को हासिल करना है!

ड्रैकुला किसी की गुलामी नहीं करता! लेकिन तुमने मेरी मदद की है! इसीलिए मैं तुम्हारा कोई एक काम जरूर करूंगा!

वैसे भी तुम्हारे दुनिया पर राज करने के मकसद से मुझे कोई परेशानी नहीं है! ड्रैकुला मुर्दों की दुनिया पर राज करता है, तुम जिन्दों की दुनिया पर राज करो!

लेकिन एक काम तुमको और करना पड़ेगा!

अब मैं कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहता! इसीलिए तुम पहले उस 'अस्थि क्रॉस' को जाकर नष्ट कर दो जिसने ड्रैकुला को धूल बनाकर दफन कर दिया था!

फिर मैं तुम्हारे काम के बारे में सुनूंगा, और उसको पूरा भी करूंगा!

वो... वो... 'अस्थि क्रॉस' तो अब तुम्हारे सीने से निकल चुका है! अब तुमको उससे भला क्या खतरा होगा!

वैसे भी उसको छुऊंगा तो वह फिर से मुझको झटका मारेगा!

क्या?

यानी इस क्रॉस को मेरे सीने से तुमने नहीं किसी और ने निकाला है! कौन था वह?

बोलो कौन था वह?

थ... था नहीं थी! एक लड़की थी!

जिस संत की हड्डियों का क्रॉस तुम्हारे सीने में धंसा था न वह उसकी एकमात्र वंशज थी!

यूलोजियन की वंशज! यूलोजियन का वंश अभी तक चल रहा है। यह तो मेरे लिए खतरे की घंटी है!

वह लड़की साधिका अवश्य है ड्रैकुला! लेकिन उसमें इतनी शक्ति नहीं है कि वह तुम जैसे शक्तिशाली वैम्पायर का मुकाबला कर सके!

शक्ति उसमें नहीं है गुरुदेव, उसकी हड्डियों में है...

यूलोजियन की पुरानी हड्डियों के खिलाफ तो मेरे शरीर ने प्रतिरोध विकसित कर लिया है! अब वे हड्डियां मुझे घायल तो कर सकतीं पर मार नहीं सकतीं!

लेकिन वह लड़की अभी जीवित है। और यूलोजियन के किसी भी जीवित वंशज की हड्डियों में इतनी शक्ति है कि वे फिर से मुझे धूल में बदल सकें!

वह लड़की क्रॉस निकालने के बाद कहां गई?

वह तुम्हारे सेवक 'वैम्पायर भेड़िए' के पीछे गई है! क्योंकि वह उस लड़की लोरी के मंगेतर को उठा ले गया है!

तब तो काम आसान हो गया! मैं अपने सेवक को अभी आदेश देकर उस लड़की का काम तमाम करा देता हूं!

और फिर-

मालिक! ये... ये तो आपकी छाया है! यानी... आप फिर से जी उठे!

हां, सेवक! और मुझको हमेशा के लिए जीवित रखने का एक ही उपाय है! इस लड़के को छोड़ो और उस लड़की को खत्म कर दो जो इसके साथ है!
वह तो मेरे पीछे लगी हुई है। इस लड़के को उठाकर लाने का एक-मात्र कारण उस लड़की को आपके किले से दूर भगाना था। मैं अभी आपके आदेश का पालन करता हूं!
मालिक के फिर से जिन्दा हो उठने की खबर ने मेरे शरीर में एक नई शक्ति का संचार कर दिया है!

लेकिन पता नहीं फिर भी मैं इस लड़की का सामना कर पाऊंगा या नहीं!
इससे जीतने का तो सिर्फ एक ही तरीका है। और वह ये कि मैं वार करता रहूं और ये सिर्फ वार खाती रहे!
अरे! ऐसा तो हो सकता है!
उस शैतान ने भागना बंद कर दिया है! अब वह पलटकर मेरी तरफ आ रहा है!

यानी ये मेरा काम आसान कर रहा है!
लोरी के वार का निशाना तो ड्रैकुला के गुलाम वैम्पायर का सिर था-

लेकिन-
ओह! भेड़िया ने बड़ी चालाकी से मार्क के शरीर को आगे कर दिया है! लेकिन यह वार मार्क को नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा! सिर्फ कुछ पलों के लिए अचेत करेगा! क्योंकि यह वार सिर्फ शैतानों का ही सीना फाड़ता है!
लेकिन अब मैं ऐसा वार करूंगी जो इस शैतान को ढूंढ़कर मारेगा!

अरे! भेड़िए ने मार्क के अचेत शरीर को हवा में उछाल दिया है! मुझे इसको नीचे गिरने से रोकना होगा! वर्ना मार्क जीवित नहीं बचेगा!
और ऐसा मेरी गलती के कारण होगा!
भेड़िया वैम्पायर को मौका मिल गया-
मार्क तो बच गया था-
लोरी की शक्तियों का रुख, मार्क की सुरक्षा की तरफ मुड़ते ही-
लेकिन लोरी को अपने ऊपर हुए वार को बचाने का मौका नहीं मिला-
अब 'भेड़िया वैम्पायर' के नुकीले दांत लोरी को फाड़ खाने के लिए बेताब हो रहे थे-
और लोरी के पास बचने का कोई मौका नहीं था-
आऽऽऽऽ
ग
र्र्र्र्र्र्र
मुझे इसके दांतों से हर हाल में बचना है! क्योंकि अगर इसके दांत मेरे खून तक पहुंचने में कामयाब हो गए तो मैं भी एक वैम्पायर बनकर रह जाऊंगी!

लेकिन 'भेड़िया वैम्पायर' शारीरिक शक्ति में लोरी से कई गुना ज्यादा ताकतवर था-
और उड़ने की शक्ति भी पास में होने के कारण भेड़िया का पलड़ा लगातार भारी होता जा रहा था-
अब लोरी में इतनी शक्ति भी नहीं बची थी कि वह भेड़िया वैम्पायर के दांतों को अपनी गर्दन से दूर रख सके-
ड्रैकुला पर मंडराता खतरा हमेशा के लिए दूर होने वाला था! लोरी का भी वैम्पायर बन जाना तय था-
लेकिन यह शायद होनी को मंजूर नहीं था-
अरे! ये... ये क्या हो रहा है! मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे मेरे शरीर की कोई शक्ति अंदर से खींच रही हो! जैसे मैं सिकुड़ रहा हूं! लेकिन ये वार कौन कर रहा है?
यहां पर तो कोई भी नजर नहीं आ रहा है!
मैं... मैं छोटा होता जा रहा हूं और जमीन भी मुझको अंदर खींच रही है! पर कैसे? कैसे?
ये मैंने किया है शैतान! जब मैं जमीन पर गिरी तुमसे हाथों द्वारा लड़ रही थी तो मेरे पैर धूल पर एक तांत्रिक चिन्ह बनाने में व्यस्त थे!
उसी तांत्रिक चिन्ह के पूरा बनते ही वह चिन्ह तुम्हारी ऊर्जा को अपने अंदर खींचने लगा ...
... और तुम्हारी ऊर्जा खत्म होने पर तुम भी एक विषाणु के आकार का बनकर खत्म हो जाओगे!
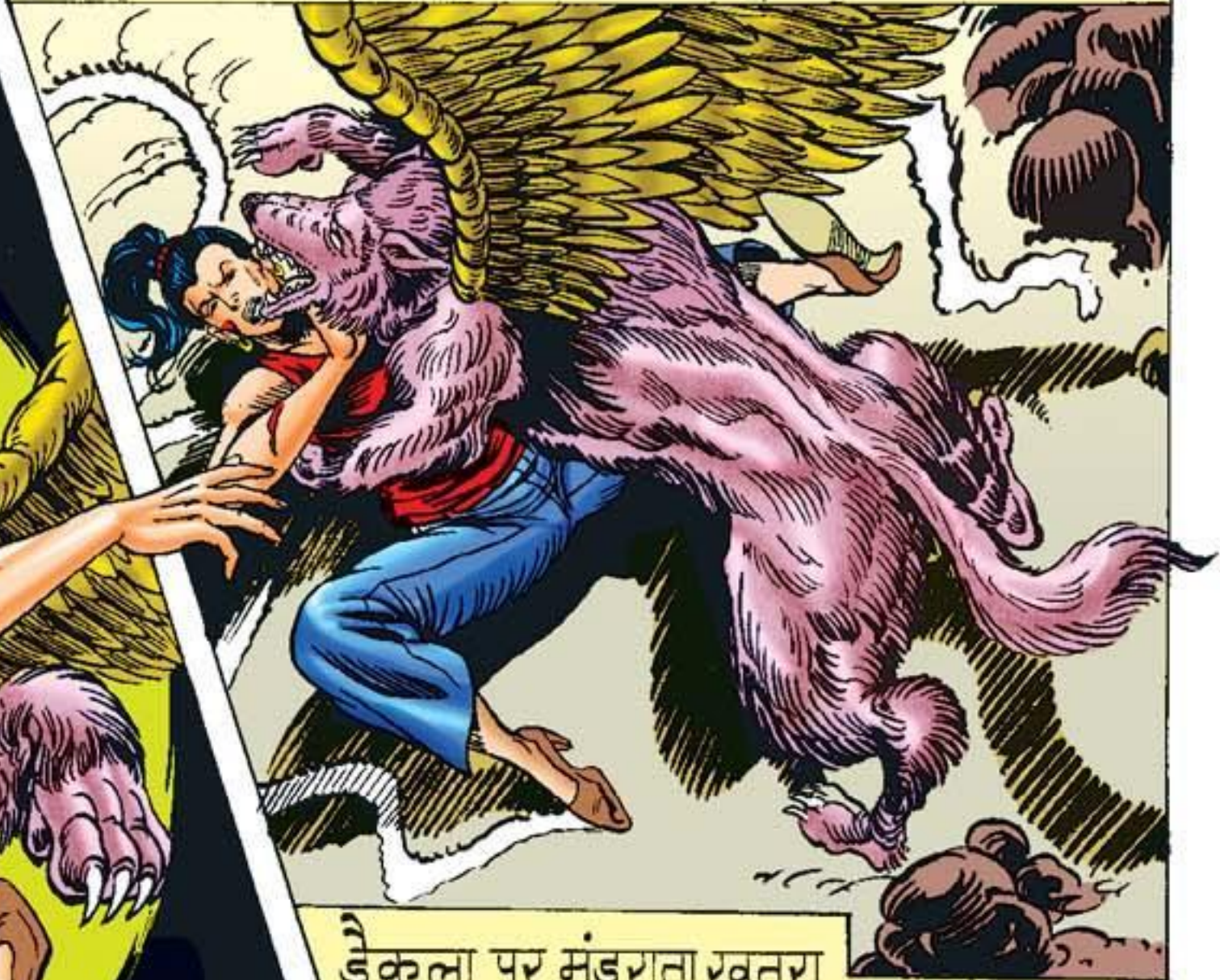
आSSSS
ड्रैकुला को गुस्सा आ रहा है गुरुदेव!
क्या हुआ ड्रैकुला?
उस लड़की ने मेरे सेवक को मात दे दी है! खैर, उसको तो मैं फिर से जीवित कर लूंगा...
...लेकिन उस लड़की का पीछा मैं नहीं छोड़ूंगा!
फिर हमारे काम का क्या होगा ड्रैकुला? क्या हमारा तुमको जीवन देना व्यर्थ जाएगा?
ड्रैकुला एक काउंट है! राजा है! वह अगर जबान देता है तो उसे पूरा करता है!
तुम्हारा काम भी होगा! जरूर होगा! लेकिन इस लड़की की मौत के बाद!
हम भी तुम्हारी मदद करेंगे ड्रैकुला! हमारी सम्मिलित शक्ति के सामने वह ठहर नहीं पाएगी!
शेर अकेले शिकार करता है, झुंड बनाकर नहीं! ड्रैकुला भी एक शेर है! और अगर मैं एक मामूली सी लड़की को अकेले नहीं मार सकता तो मुझको वापस कब्र में सो जाना चाहिए!
ये तो जा रहा है, गुरुदेव!
अच्छा हुआ!
जाने दो हम इस पर अभी नजर रखेंगे! इससे हमको इसकी क्षमता को परखने का मौका भी मिल जाएगा!
और वहां से थोड़ी दूर पर-
होश में आओ मार्क, होश में आओ! मैं तुमको अस्पताल लेकर जा रही हूं!
तुमको कुछ नहीं होगा! मेरा वार शायद मेरे अनुमान से ज्यादा घातक था!
यह तो किस्मत अच्छी थी कि 'रॉफ्ट' बनाने के लिए मुझे कुछ लट्ठे मिल गए...
...इस रास्ते से हम अस्पताल जल्दी पहुंच जाएंगे!
मैं! ओ माई गॉड! ये चमगादड़ कहां से आ गया?
कीं ईं ईं ईं ईं



कहानी 35 पेज से जारी

इतने बड़े साइज का चमगादड़ तो मैंने आजतक नहीं देखा। ये जरूर मुझको नुकसान पहुंचाने आया है, क्योंकि इसके पास से मुझे तीव्र पाप तरंगें आती महसूस हो रही हैं!
ये जरूर 'राफ्ट' को पलटने की कोशिश करेगा। इसलिए मुझको इसे आसपास भी फटकने नहीं देना है!
तू कुछ भी करले, यूलोजियन की वंशज, लेकिन ड्रैकुला तुझको यहां से जिन्दा वापस नहीं जाने देगा।
ड्रैकुला! ये फिर से जिन्दा कैसे हो उठा?
ये जरूर अपनी मौत का बदला लेने के लिए मुझे मारना चाहता है!
मेरी मौत के जरिए ये मेरे पूर्वज यूलोजियन की आत्मा को तड़पाना चाहता है। लेकिन जो काम मेरे पूर्वज कर सकते थे, वह मैं भी कर सकती हूं!
ये लड़की अभी अपनी शक्ति को नहीं पहचानती है। लेकिन फिर भी मैं इससे सीधी लड़ाई लड़ने का खतरा नहीं उठाऊंगा! इतने दिनों तक 'मरा' रहने के बाद मैं और 'मरना' नहीं चाहता!
इसलिए इसको मारने का काम मैं अपने एक दूसरे गुलाम को दूंगा! 'एक्वा-वैम्पायर' को!
पहले से घायल यह लड़की उससे बच नहीं पाएगी। क्योंकि जल में 'एक्वा वैम्पायर' की शक्ति दस गुना बढ़ जाती है!
एक्वा वैम्पायर! जल से बाहर आ! तेरा मालिक तुझे बुला रहा है!
लगभग तुरन्त ही-पानी की सतह जैसे खौलने लगी-

और 'एक्वा वैम्पायर' लोरी के सामने आ धमका-

आऽऽऽ ह! इसने तो 'रॉफ्ट' को ही पलट दिया है!
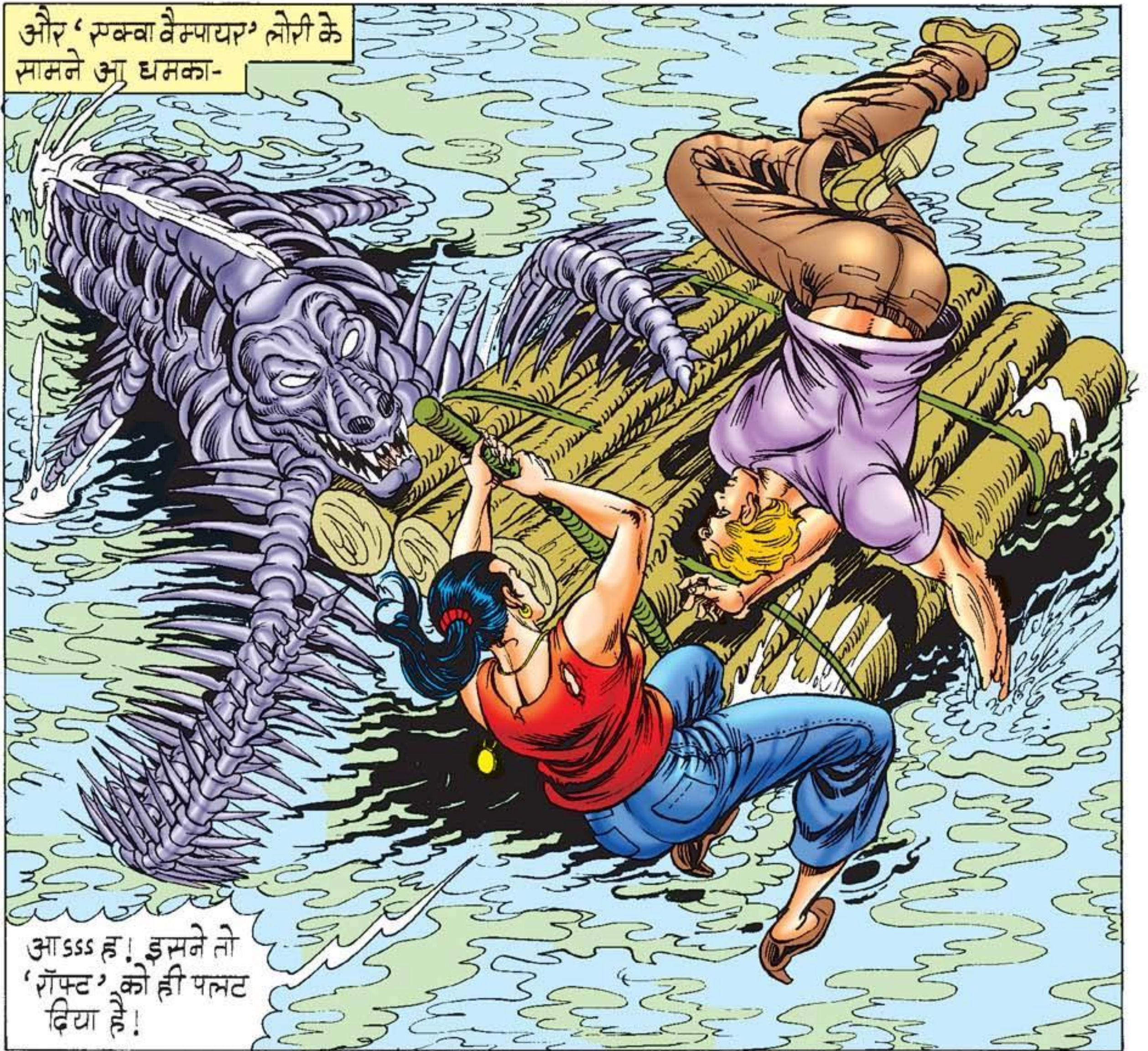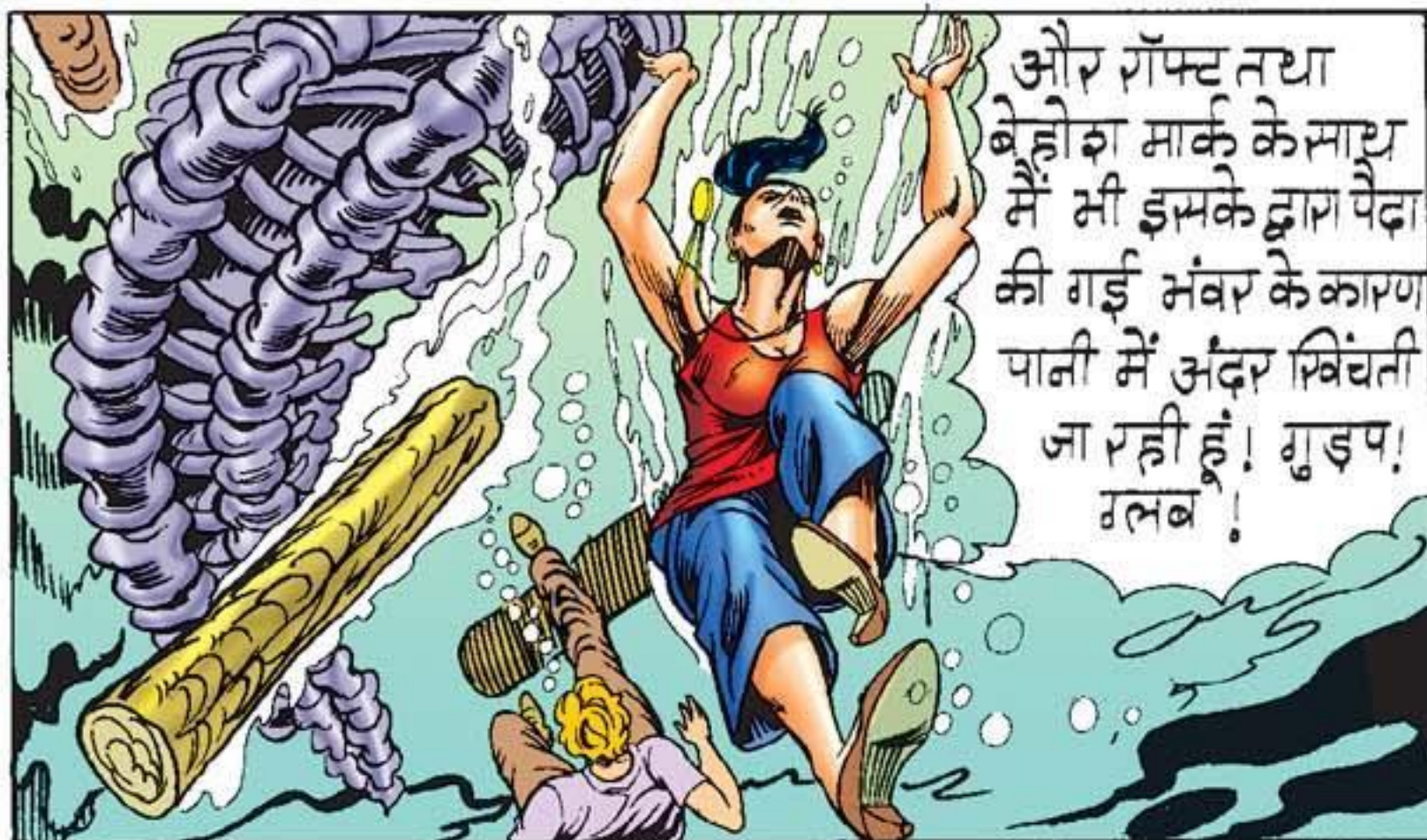
...रात बीत चुकी है! सूर्य निकल आया है! यूलोजियन के हाथों 'मरने' से पहले मैं सूर्य की इन किरणों को सह लेता था! लेकिन इतने दिनों तक अंधेरे में रहने के कारण अभी मेरा शरीर इन किरणों के ताप को सह नहीं पा रहा है!

मुझे सुरक्षित स्थान पर जाना होगा! अफसोस कि मैं लोरी की मौत का नजारा नहीं देख पाऊंगा!

ड्रैकुला ने तो शायद अपनी मौत टाल दी थी-

लेकिन लोरी के पास मौत धीरे-धीरे सरकती आ रही थी-

मुझे अपनी साधना शक्ति को मार्क को बचाने के लिए लगाना होगा! उसको हवा के गोले में बंद करके बचाया जा सकता है!

लेकिन ऐसी स्थिति में न तो मैं खुद पानी से बचने का कोई इंतजाम कर पाऊंगी, और न ही 'एक्वा वैम्पायर' पर कोई घातक वार कर पाऊंगी!
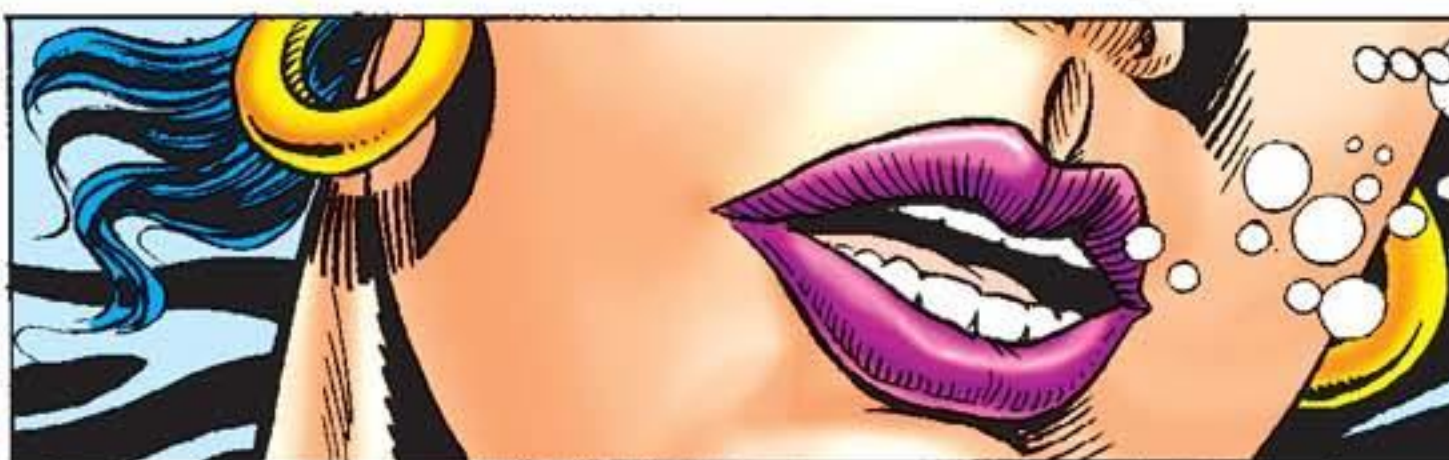
मैं ऐसे शख्स को जानती हूं! लेकिन उसको यहां पर बुलाने के लिए मुझको ऐसी अतिगहन साधना की आवश्यकता है जो मैंने आज तक नहीं आजमाई! आज वक्त आ गया है! अतिगहन साधना का सहारा लेना ही पड़ेगा! चाहे इस साधना का प्रयोग मेरे शरीर की बची खुची शक्ति को भी खींच ही क्यों न ले!
मुझे अपने मददगार को सशरीर यहां पर लाना ही होगा! मुझे बुलाना ही होगा...

"... सुपर कमांडो ध्रुव को-"
मड़ड़
तू घबरा मत खलीफा! इस पतली गली में ध्रुव हमको ओवरटेक नहीं कर सकता!

तू तो बस बच्चे को संभाल!
इसकी फिरौती में दस करोड़ से कम नहीं मिलेंगे!
समझे बादशा! लेकिन ध्रुव तो बमों से बचा जा रहा है! गली खत्म होने के बाद क्या करेंगे?
सही कह रहा है तू?
बमों का निशाना बदलना पड़ेगा!
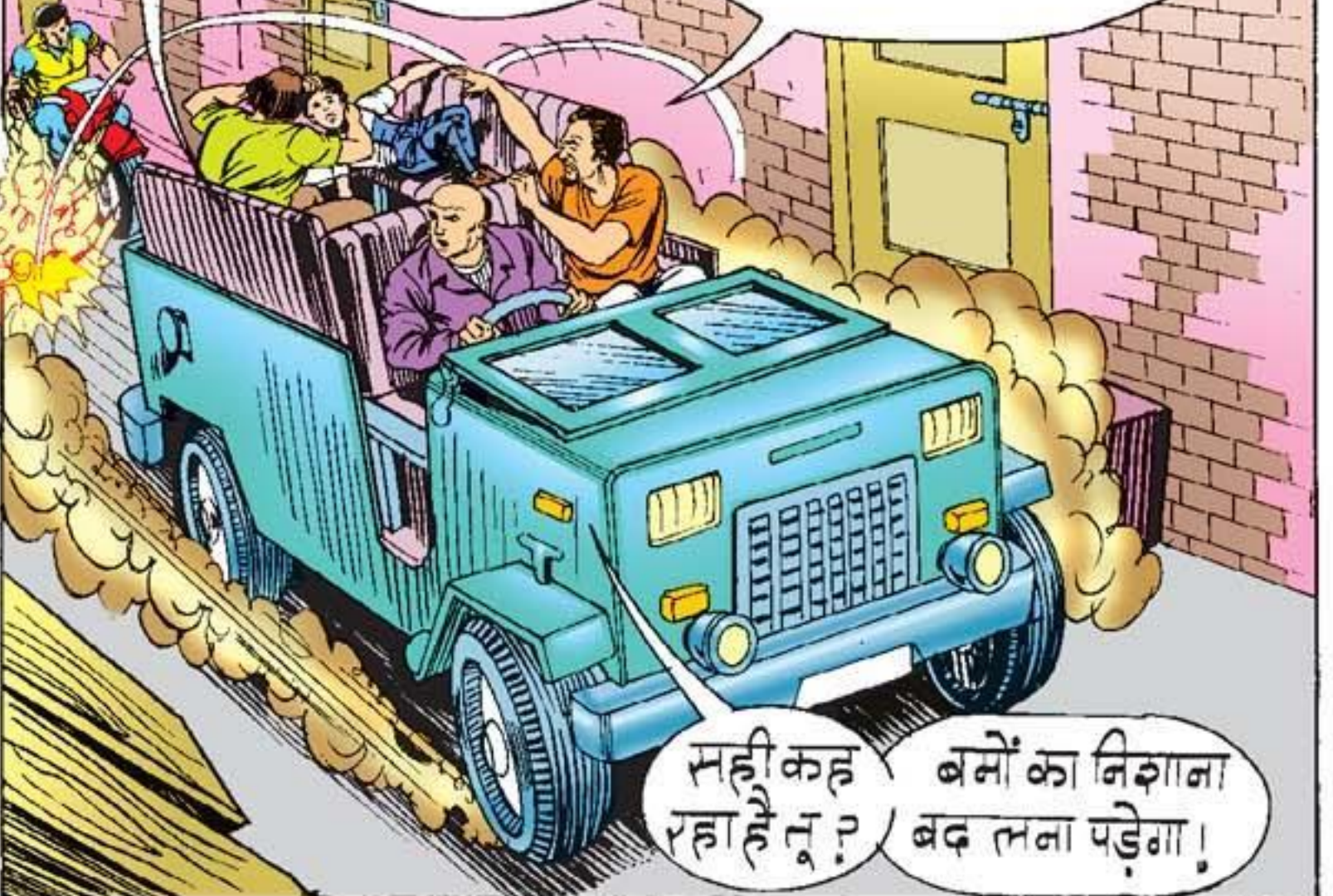
ओ! इस बार बम को गुंडों ने मेरी तरफ उछालने के बजाय उस पुरानी दीवार पर दे मारा है! और इस धमाके के कारण...
बड़ााामम
...ईंटों के ढेर ने गिरकर मेरा रास्ता रोक लिया है!
नहीं!
लकड़ी के तख्ते को 'रैम्प' बनाकर ध्रुव ने मोटरसाइकल को हवा में तैरा दिया-
ऐसा करके तो इन गुंडों ने मेरा काम आसान कर दिया है!
अब मैं इनको आराम से ओवरटेक कर सकता हूं!
अरे, बाऽऽप! संभल रे! अपना वार तो उल्टा पड़ गया!

हवा में ही ध्रुव की स्टारलाइन अपहृत बच्चे को लपेटकर हवा में उठा चुकी थी-
और जीप के आगे उतरने से पहले वह बच्चा, ध्रुव की गोद में सुरक्षित पहुंच चुका था-
भून डालो इसको! इसने हमारा दस करोड़ का नुकसान किया है! अब हम इसकी इतनी ही बोटियां काटेंगे!
बेटे तुम मोटरसाइकल की आड़ में आराम से बैठो! तब तक मैं इससे निपटकर आता हूं!
ये हमारे पास आ रहा है!
अच्छा है! पास से निशाना और भी सटीक लगेगा!
चीईईईईई
अरे! वह जीप की आड़ में छुप रहा है! सतर्क रहना! जैसे ही नजर आए भून डालना! चारों तरफ नजर रखो!
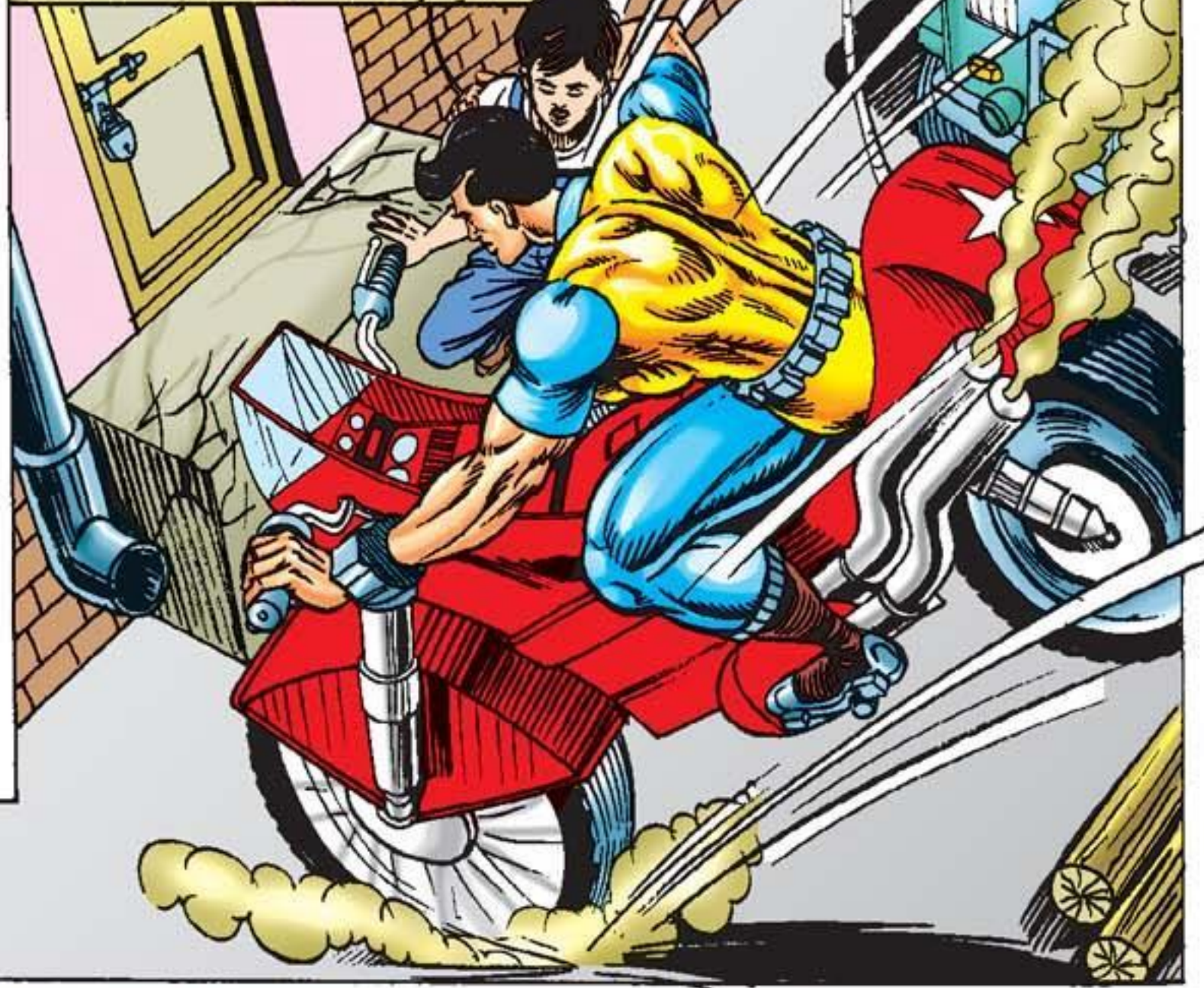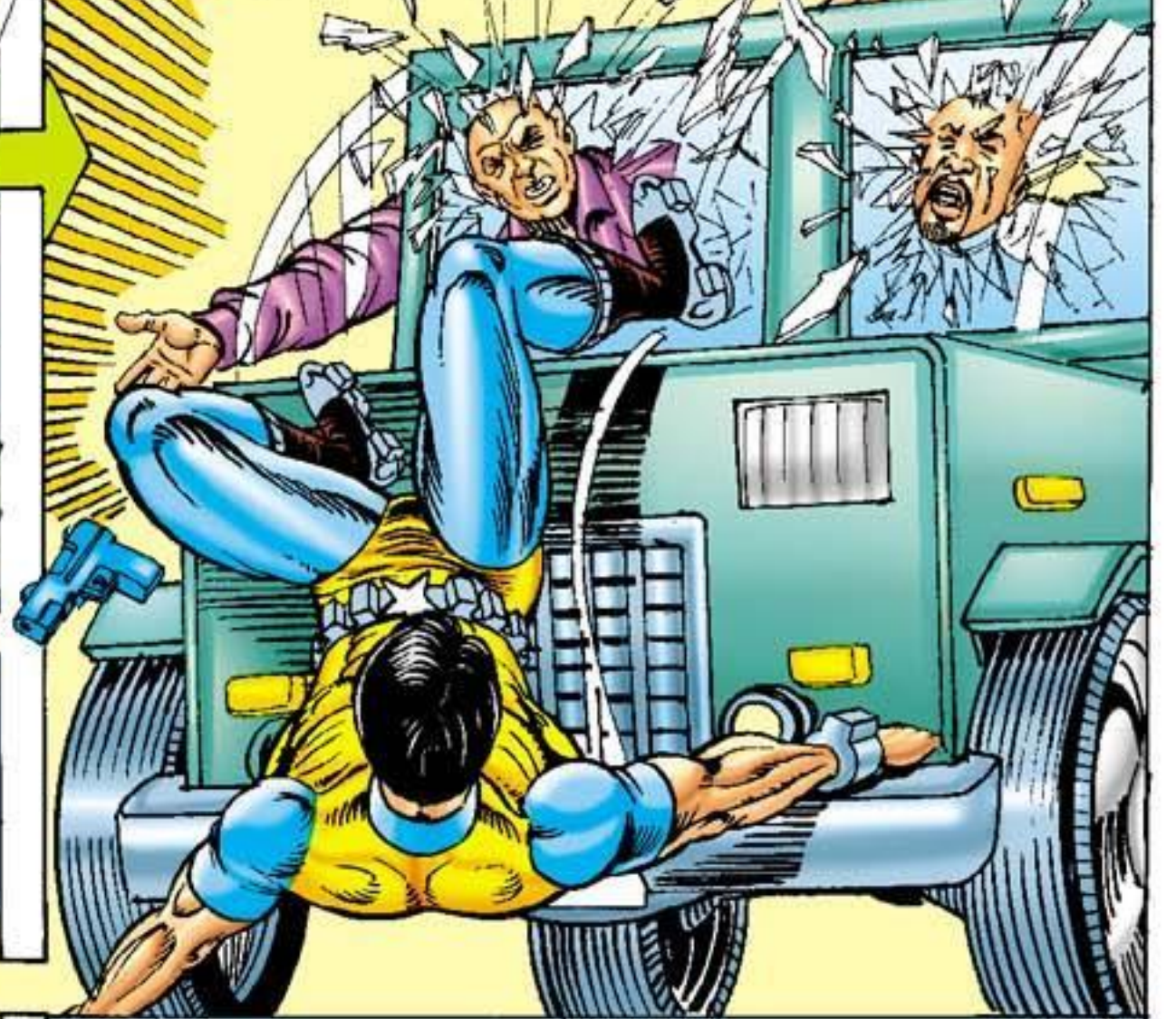
वाह, ध्रुव भइया! मजा आ गया! आपके ऐसे लाइव एक्शन सीन देखने का मौका फिर से मिले तो मैं फिर से अपना अपहरण करा लूं!

ऐसा नहीं कहते! ऐसा कभी सोचना भी मत! मैं अभी तुमको तुम्हारे घर पहुंचाने का इंतजाम करता हूं!

करीम! मैंने अपहृत बच्चे को छुड़ा लिया है!

आऽऽऽह! ये मुझे क्या हो रहा है? लगता है जैसे कोई शक्ति मुझको खींच रही है!
और मुझको अपने पास बुला रही है!
ध्रुव भइया!
ध्रुव भइया! अरे, यहां कहां है ध्रुव भइया?
इंस्पेक्टर अंकल ध्रुव भइया गायब हो गए!
मैं जानता हूं बेटा! ध्रुव अपना समय खराब नहीं करता! काम होते ही गायब हो जाता है!
वैसे गायब नहीं, ध्रुव भइया सचमुच गायब हो गए हैं!
लगता है कि अपहरण ने तुम्हारे दिमाग पर बुरा असर डाला है! चलो मैं तुमको तुम्हारे घर ले चलता हूं!
और वहां से हजारों किलोमीटर दूर-
रूमानिया की सीमा के अंदर -
ये... ये तो मैं पानी के अंदर आ गया हूं! पर कैसे? यहां पर किसने बुलाया है मुझको?
तुमको मैंने बुलाया है ध्रुव! अपने पीछे देखो!
ये तो टेलीपैथिक मैसेज है! इसको कौन भेज...? लोरी! तुम यहां कैसे? क्या तुमने ही मुझको बुलाया है?
मेरी ऐसी हालत देख-कर तो... आह... तुम खुद ही अंदाजा लगा सकते हो! अब सवाल बाद में पूछना! आह! ... पहले मुझे इस शैतान वैम्पायर के चंगुल से छुड़ाओ!

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें : वैम्पायर

अगर तुम मदद करना चाहते ही हो, तो थोड़ी देर तक इस शैतान से अकेले निपटो! क्योंकि मुझे सतह पर सांस लेने जाना है!
ओ. के. लोरी! मेरी 'स्टार लाइन' इसको तुम्हारे पीछे जाने से रोककर रखेगी!

लेकिन मेरे पीछे आने से इसे कौन रोकेगा!
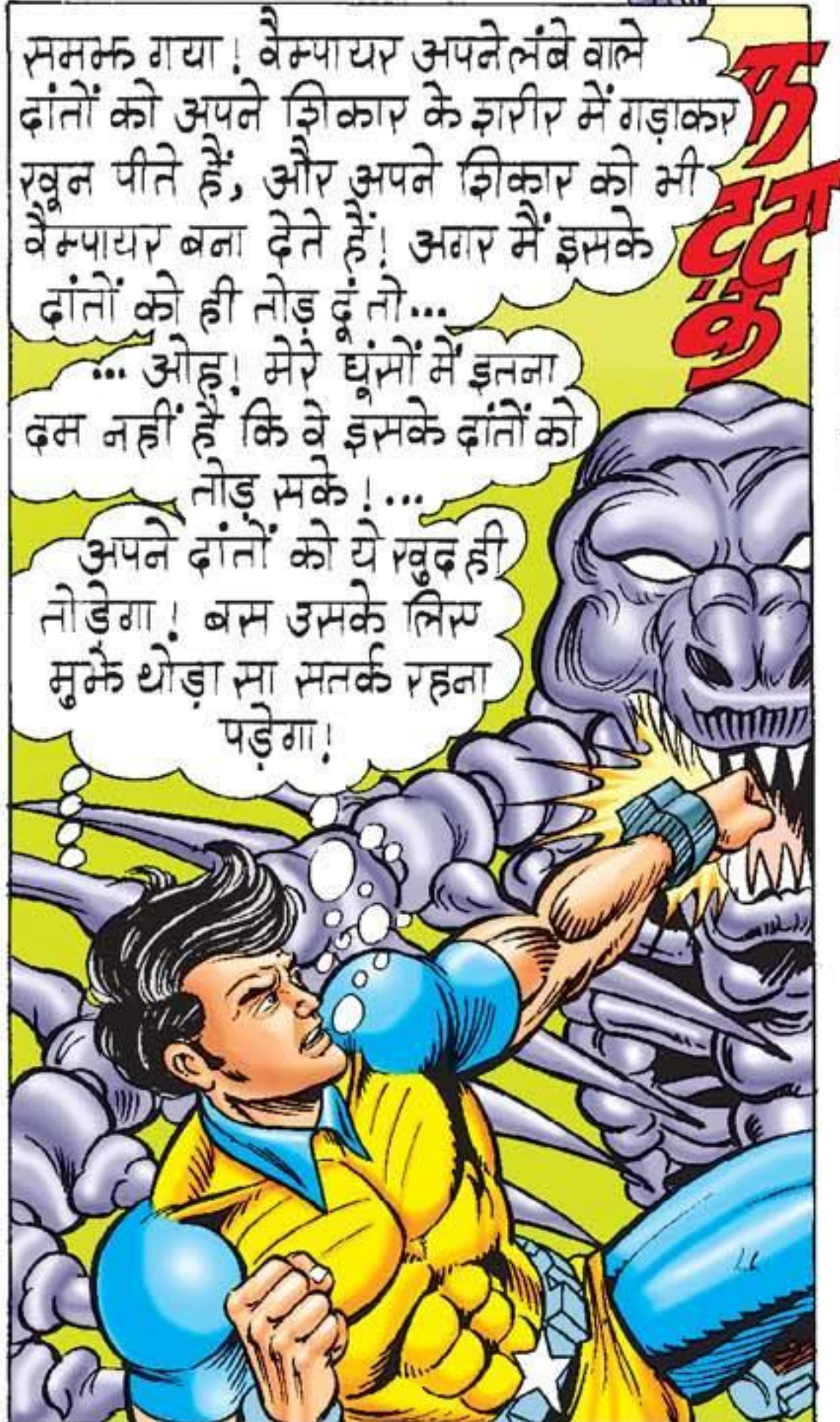
समझ गया! वैम्पायर अपने लंबे वाले दांतों को अपने शिकार के शरीर में गड़ाकर खून पीते हैं, और अपने शिकार को भी वैम्पायर बना देते हैं! अगर मैं इसके दांतों को ही तोड़ दूं तो...
... ओह! मेरे घूंसों में इतना दम नहीं है कि वे इसके दांतों को तोड़ सकें!...
अपने दांतों को ये खुद ही तोड़ेगा! बस उसके लिए मुझे थोड़ा सा सतर्क रहना पड़ेगा!
कड़ाक
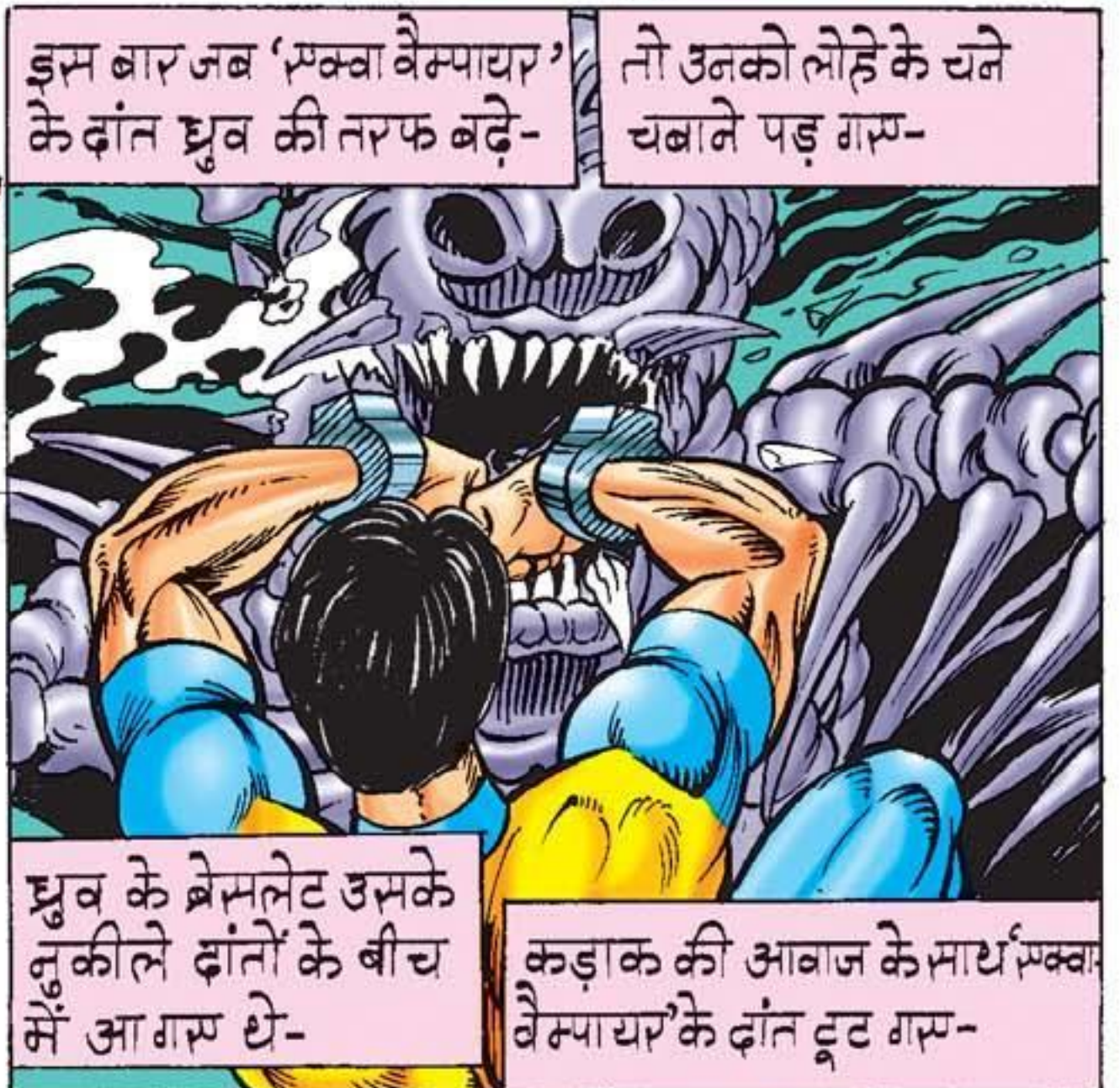
इस बार जब 'एक्वा वैम्पायर' के दांत ध्रुव की तरफ बढ़े-
तो उनको लोहे के चने चबाने पड़ गए-
ध्रुव के ब्रेसलेट उसके नुकीले दांतों के बीच में आ गए थे-
कड़ाक की आवाज के साथ 'एक्वा वैम्पायर' के दांत टूट गए-

लेकिन-
ओह! इसके शरीर में हाथों की जगह उभरी हर एक हड्डी दांत बन गई है! इतने सारे दांतों को मैं नहीं तोड़ सकता!

और ये दर्जनों दांत दोनों तरफ से मेरी ओर बढ़ रहे हैं। अब तो बच-कर भागने का भी रास्ता नहीं बचा है। और मैं नागराज की तरह गायब नहीं हो सकता।
लेकिन ध्रुव के शरीर तक पहुंचने से पहले ही-
उन 'दांतों' को थामने वाली हड्डियां टूटकर बिखर गईं-
थैंक्स लोरी!
मैंने तो तुमको 'थैंक्स' नहीं कहा था।
दोस्तों के बीच में नो 'थैंक्स' और नो 'सॉरी'।
अब तुम देखो कि मैं इसकी हड्डियां कैसे तोड़ती हूं।
अरे! मैं इधर की हड्डियां तोड़ती हूं तो उधर की हड्डियां जुड़ती जाती हैं! ये जरूर इसकी वैम्पायर शक्ति का कमाल है!
तो फिर किसी दूसरी शक्ति का प्रयोग करो लोरी।
मेरी कोई भी शक्ति इसको सिर्फ रोक सकती है, मार नहीं सकती।
हम ये चूहे-बिल्ली का खेल ज्यादा देर तक नहीं खेल सकते लोरी!
अगर हमने इसको जल्दी ही खत्म न किया तो ये हमको खत्म कर देगा।
वैम्पायरों को तो सिर्फ दो ही चीजें खत्म कर सकती हैं। सीने में धंसा क्रास और या फिर सूर्य की किरणें।
सूर्य की किरणें पानी की पर्तों को पार करके यहां तक नहीं आ सकतीं।

...और 'क्रॉस' को अगर हम किसी तरह से बना भी लें तो उसे इसके सीने में धंसाने के लिए इसके पास पहुंच पाना मुश्किल है! अब तो तुम ही कोई आइडिया सोच सकते हो!
तुमने मुझे बुलाया ही इसलिए है लोरी!
ओह! ये लट्ठे! मुझे हथियार मिल गया है लोरी! एक काम करो! अपने तांत्रिक वारों से इन लट्ठों को खोखला कर दो!
गुड आइडिया, ध्रुव! ऐसे बने खोलों के बीच में घुसकर हम स्क्वा वैम्पायर के वारों से बच सकते हैं!
गलत, लोरी! ये लकड़ी के खोल बचाव के हथियार नहीं बल्कि हमला करने वाले अस्त्र हैं!
हमला करने वाले अस्त्र! अरे, इसको तो 'स्क्वावैम्पायर' का एक ही वार टुकड़ों में बिखेर देगा!
इसकी चिन्ता तुम मुझ पर छोड़ दो लोरी! तुम तो बस 'स्क्वा वैम्पायर' का ध्यान बंटाती रहो!
वाह! ध्रुव तो लट्ठे के खोलों को लेकर गायब हो गया है, और मुश्किल काम मुझको थमा गया है!
अब तो ये मेरे वारों का आदी होता जा रहा है! अब तो इसकी हड्डियां भी टूट नहीं रही हैं!
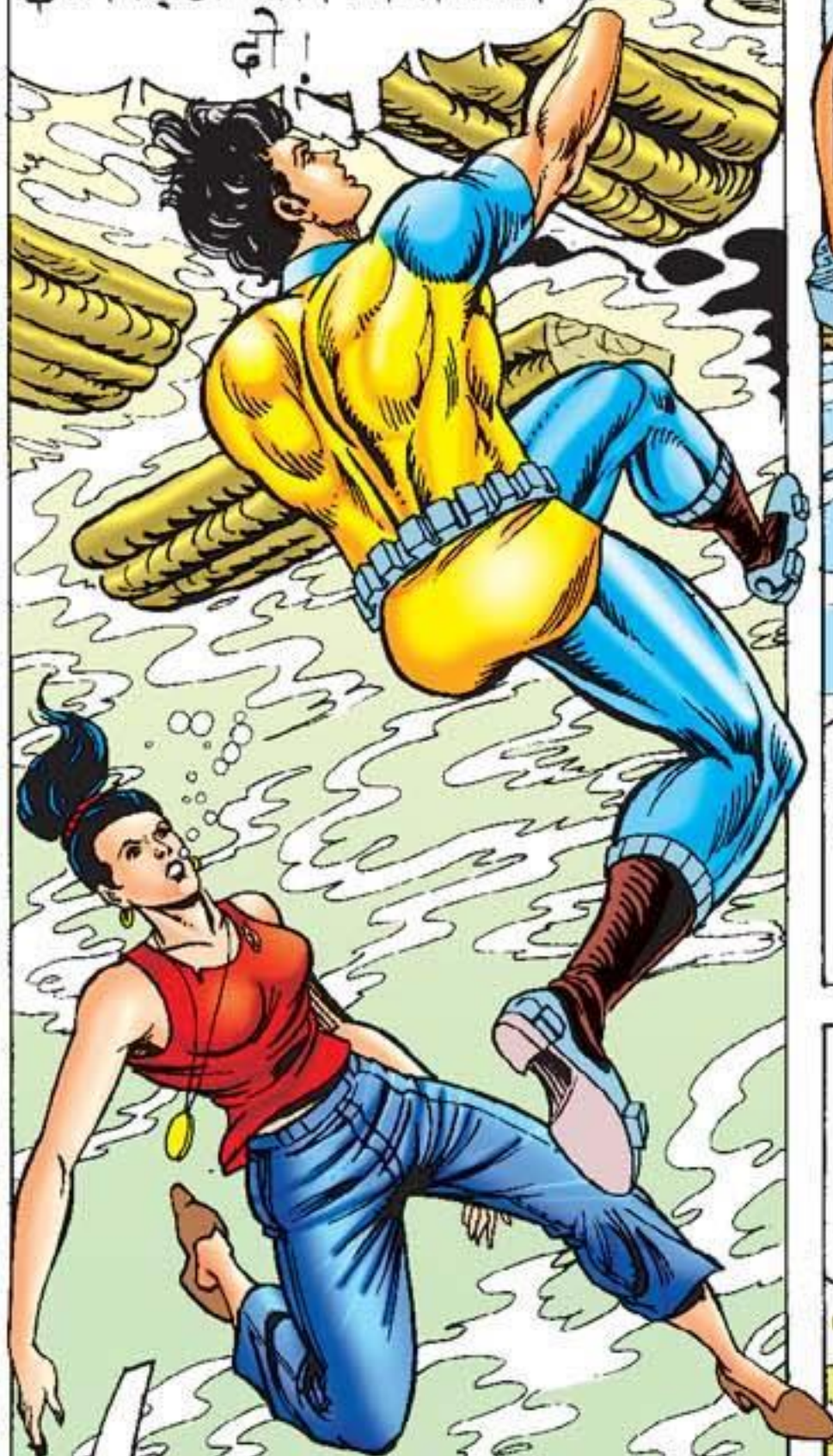
इसने मुझको फिर से अपने शिकंजे में जकड़ लिया है! और इस बार इसका प्लान मेरे शरीर में दांत गड़ाने का नहीं बल्कि मेरे सिर को मेरे धड़ से जुदा करने का है!
मैंने किया है, लोरी! मैंने तुमसे कहा था न कि ये लट्ठे बचाव का हथियार नहीं, बल्कि हमला करने का अस्त्र है!
लेकिन! ये... ये तो एकाएक तड़पने लगा है!
पर कैसे? मैंने तो कोई वार किया ही नहीं है!
ओ ब्रिलियेंट, ध्रुव! ब्रिलियेंट! तुमने लट्ठों को स्टार लाइन की मदद से जोड़कर एक लंबा सा पाइप तैयार कर दिया है जिसका एक सिरा पानी की सतह के ऊपर निकला हुआ है और दूसरा सिरा 'एक्वा वैम्पायर' के सिर की तरफ तना हुआ है!
अब सूर्य की किरणों को पानी की पर्तें पार करने की जरूरत नहीं है! वे इस पाइप में होते हुए सीधे वैम्पायर के सिर पर पड़ रही हैं!...

सही समझी लोरी! मैं इस लकड़-पाइप के नीचे के सिरे को इस गोल लकड़ी की मदद से बंद करके नीचे तक लाया था ताकि पानी पाइप के अंदर न घुस सके! और फिर इसके सिर से पाइप को कसकर सटाने के ठीक पहले मैंने उस टुकड़े को अलग कर दिया!
अब पानी पाइप में धीरे-धीरे भर जरूर रहा है लेकिन इतनी देर में सूर्य की किरणों ने अपना काम कर दिया है!
इस शैतान को तुम्हारे अलावा और कोई मार ही नहीं सकता था ध्रुव!
अब चलो! हमें मार्क को अस्पताल भी पहुंचाना है!
कुछ ही देर बाद-
म... मैं अब ठीक हूं! अस्पताल चलने की कोई जरूरत नहीं है लोरी!
लेकिन तुम पर मंडराता ड्रैकुला का खतरा अभी टला नहीं है, लोरी! और मैं इस तरह से बार-बार राजनगर को छोड़कर तुम्हारी मदद के लिए नहीं आ सकता!
बार-बार मैं साधना शक्ति का प्रयोग करके तुमको बुला भी नहीं सकती हूं ध्रुव! लेकिन इस समस्या का हल क्या है?
मुझको तुम्हारी जरूरत तो पड़ेगी ही पड़ेगी!
खतरा टलने तक तुम मेरे साथ राजनगर चलो, लोरी! यही एकमात्र हल है!
मैं तैयार हूं ध्रुव! लेकिन तुम क्या कहना चाहोगे, मार्क?
हमला तुम पर हो रहा है लोरी, मुझ पर नहीं! म... मैं वापस पेरिस चला जाऊंगा!
और तुमसे शादी करने से पहले दस बार सोचूंगा!

आदेश दें मालिक!

इतनी सदियों के बाद सेवक को कैसे याद किया?

इतनी सदियों तक मैं खुद सोया हुआ था, फ्रैंकेस्टीन!

और आज अगर मैं तुम्हारी मदद नहीं लूंगा तो फिर सदियों के लिए सोना पड़ेगा!

मैं अपने शिकार पर नजर रखता हूं! तुम रात होने का इन्तजार करो!

लोरी और ध्रुव के राजनगर पहुंचते - पहुंचते अगले दिन का सूरज भी ढलना शुरू हो चुका था-
कमाल है ध्रुव ! तुमको राजनगर पहुंचने की इतनी जल्दी थी कि तुमने पूरे हवाई जहाज को ही किराए पर ले लिया। भला 'प्लेन' को 'चार्टेड' करके पैसा फूंकने का क्या फायदा हुआ ?
अगर मेरे यहां पर न होने की वजह से किसी गरीब का एक रुपया भी लुट जाता लोरी, तो मेरे लिए वह नुकसान चार्टेड प्लेन के पूरे किराए से बढ़कर होता ! यही कारण है कि मेरे लिए रात होने से पहले राजनगर पहुंचना बहुत जरूरी था !
ARRIVALS
PREPAID TAXI
TAXI
आऊ ! एकाएक इतने सारे चमगादड़ कहां से आ गए ?
रात होते ही चमगादड़ तो हर जगह मंडराने लगते हैं लोरी !
लेकिन हां ! आज इनकी तादाद जरूरत से कुछ ज्यादा ही लग रही है !
ये लोरी की तलाश में आए हैं !
फादर ! आप... आप मुझे कैसे जानते हैं ?
हमको रुमानिया की हाई चर्च से पूरी जानकारी आ चुकी है ! ड्रैकुला जाग चुका है ! और उसको रोकने के लिए तुम हमारी एकमात्र उम्मीद हो !
मैं... मैं कुछ समझी नहीं !
समझ जाओगी ! मैं फादर ब्रायन हूं ! मेरे साथ आओ ! वक्त बहुत कम है ! चमगादड़ों के जरिए ड्रैकुला को जल्दी ही तुम्हारे यहां पर होने का पता चल जाएगा ! और फिर वह सीधा राजनगर आ धमकेगा !
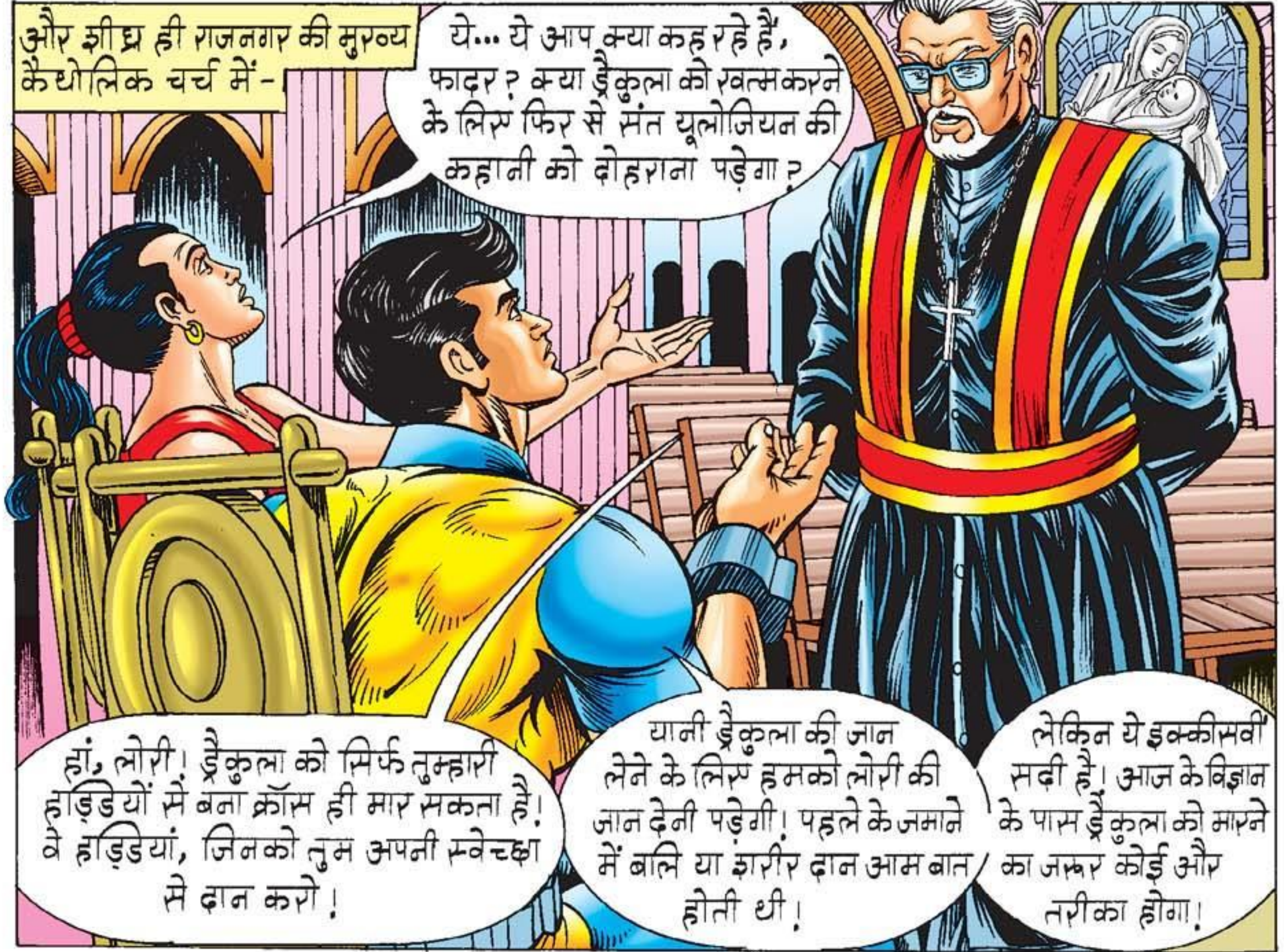
और शीघ्र ही राजनगर की मुख्य कैथोलिक चर्च में -
ये... ये आप क्या कह रहे हैं, फादर? क्या ड्रैकुला को खत्म करने के लिए फिर से संत यूलोजियन की कहानी को दोहराना पड़ेगा?
हां, लोरी! ड्रैकुला को सिर्फ तुम्हारी हड्डियों से बना क्रॉस ही मार सकता है! वे हड्डियां, जिनको तुम अपनी स्वेच्छा से दान करो!
यानी ड्रैकुला की जान लेने के लिए हमको लोरी की जान देनी पड़ेगी! पहले के जमाने में बलि या शरीर दान आम बात होती थी!
लेकिन ये इक्कीसवीं सदी है! आज के विज्ञान के पास ड्रैकुला को मारने का जरूर कोई और तरीका होगा!
विज्ञान! हा हा हा! मैं विज्ञान का ही छात्र रहा हूं ध्रुव! विज्ञान तो ड्रैकुला जैसे जीव में विश्वास ही नहीं करता!
भला विज्ञान के पास ऐसी चीज को मारने का क्या तरीका होगा, जिस पर वह विश्वास ही नहीं करता!
मेरा यकीन करो! ड्रैकुला हर पल और शक्तिशाली हो रहा है! हो सकता है कि कुछ समय बाद वह लोरी के 'अस्थि क्रॉस' से भी न मरे!
फिर दुनिया पर ड्रैकुला का जो हमला होगा, उससे हम-तुम भी नहीं बचेंगे ध्रुव! हम भी वैम्पायर बन जाएंगे!
आपका मतलब है कि ड्रैकुला लोरी की काट भी ढूंढ़ ही लेगा!
हां! ड्रैकुला यह बात अभी तक नहीं जानता! लेकिन अगर वह यूलोजियन की वंशज लोरी का खून पीने में सफल हो गया...

और समय तेजी से भागता जा रहा था-

राजनगर के एक कब्रिस्तान में-

आपने ये कैसी शक्ति पा ली है, मालिक? पलक झपकते ही हम दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने में आ पहुंचे हैं!

दुनिया के सारे कब्रिस्तान ड्रैकुला की मिल्कियत हैं फ्रैंकेस्टीन! इसीलिए हम एक कब्रिस्तान से किसी भी दूसरे कब्रिस्तान में ट्रांसमिट हो सकते हैं!

पहले हम ऐसा कब्रिस्तानों में क्रॉसों की मौजूदगी के कारण नहीं कर पाते थे! लेकिन अब मामूली क्रॉस हमें परेशान नहीं करते! अरे...

... सेवक, समाचार लेकर आया है! अब क्या खबर है! लोरी के यहां पर होने की खबर तो हमको पहले ही मिल चुकी है!

क्रींचsss क्रीं sss

सच! ऐसा... ऐसा कहा उस पादरी ने?

योजना बदल गई है, फ्रैंकी! अब तुमको उस लड़की को मारना नहीं है, ढूंढ़कर मेरे पास लाना है! ताकि मैं उसका खून पीकर अपने-आपको सुरक्षित कर सकूं!

जाओ! चाहो तो उस लड़की की तलाश में पूरे राजनगर में विनाश फैला दो!

उधर तू लोरी को ढूंढ़, इधर मैं भी अपनी खून की प्यास को बुझाता हूं! जा!
इस नए घटनाक्रम से बेखबर-
लोरी कहां है? सामने आ लोरी!
क्रैश
चर्च में बहस अभी भी जारी थी-
लोरी, तुम कोई निर्णय क्यों नहीं लेती?
वक्त कम है!
पीं प पीं प
ओह! स्टार ट्रांसमीटर पर इमर्जेंसी सिग्नल आ रहे हैं!
यस, करीम, कैप्टेन हियर!
तुम कहां चले गए थे, कैप्टेन? हम तुमसे लाख कोशिशों के बाद भी संपर्क नहीं बना पा रहे थे।
मैं जरा 'फारेन टूर' पर चला गया था! बोलो!
गुलाबी चौक पर कोई खतरनाक प्राणी तोड़-फोड़ कर रहा है!
और वह मेन कैथोलिक चर्च की तरफ बढ़ रहा है!

चमगादड़ उस चर्च के ऊपर उड़ रहे हैं। यानी वहीं पर है लोरी! मेरा शिकार!
लेकिन मैं चर्च के अंदर नहीं जा सकता! ऐसा विनाश फैलाना होगा कि लोरी खुद-ब-खुद बाहर आ जाए!
फ्रैंकेस्टीन का पैर जमीन से टकराया-
धम्म्म्मममममम
और जमीन हिल उठी-
ओ माई गॉड! ये भूकंप क्यों आ रहा है, फादर?
ड्रैकुला या उसके सेवक चर्च में नहीं आ सकते! तुमको चर्च से बाहर निकालने का ये तरीका अपनाया है उन्होंने!
इस बार फ्रैंके-स्टीन का पैर हवा में उठा-
अभी तक बाहर नहीं आई! लगता है कि पूरे चर्च को ही मलबे के ढेर में बदलना होगा!
लेकिन पैर के बजाय-
फ्रैंकेस्टीन का पूरा शरीर ही जमीन से आ टकराया-

तुम्हारे और उस चर्च के बीच में अब ध्रुव खड़ा है, वैम्पायर!
ध्रुव! लेकिन तुम्हारे और... मेरे बीच में सिर्फ तुम्हारी मौत है! रास्ता छोड़ दो मेरा!...
ओह! इसके पैर की धमक इस बार तो पूरे इलाके को समतल बना डालेगी!
लेकिन इसका पैर मैं जमीन से टकराने से कैसे रोक सकता हूं!
यस! एक तरीका है!
वर्ना फ्रैंकेस्टीन तुम्हारी कब्र यहीं पर खोद देगा!
अब फ्रैंकेस्टीन जमीन पर पैर मारेगा, और जमीन फटकर तुम्हारी कब्र बन जाएगी!
और ध्रुव के स्टार ब्लेड की बौछारों ने कांपते फ्रैंकेस्टीन के सिर को धड़ से अलग कर दिया-
इस बार फ्रैंकेस्टीन का पैर जमीन के बजाय रबर के हवा भरे टायर से जा टकराया-
ये न तो इंसान है और न ही पशु! इसीलिए मुझे इसकी जान लेने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए!
धप्प
भन्नन्न
और इस कारण रबर में हुए कंपनों ने, फ्रैंकेस्टीन के पूरे शरीर को कंपा डाला-
इसके मरने से लोरी पर मंडराता खतरा कुछ हद तक तो कम होगा ही होगा!
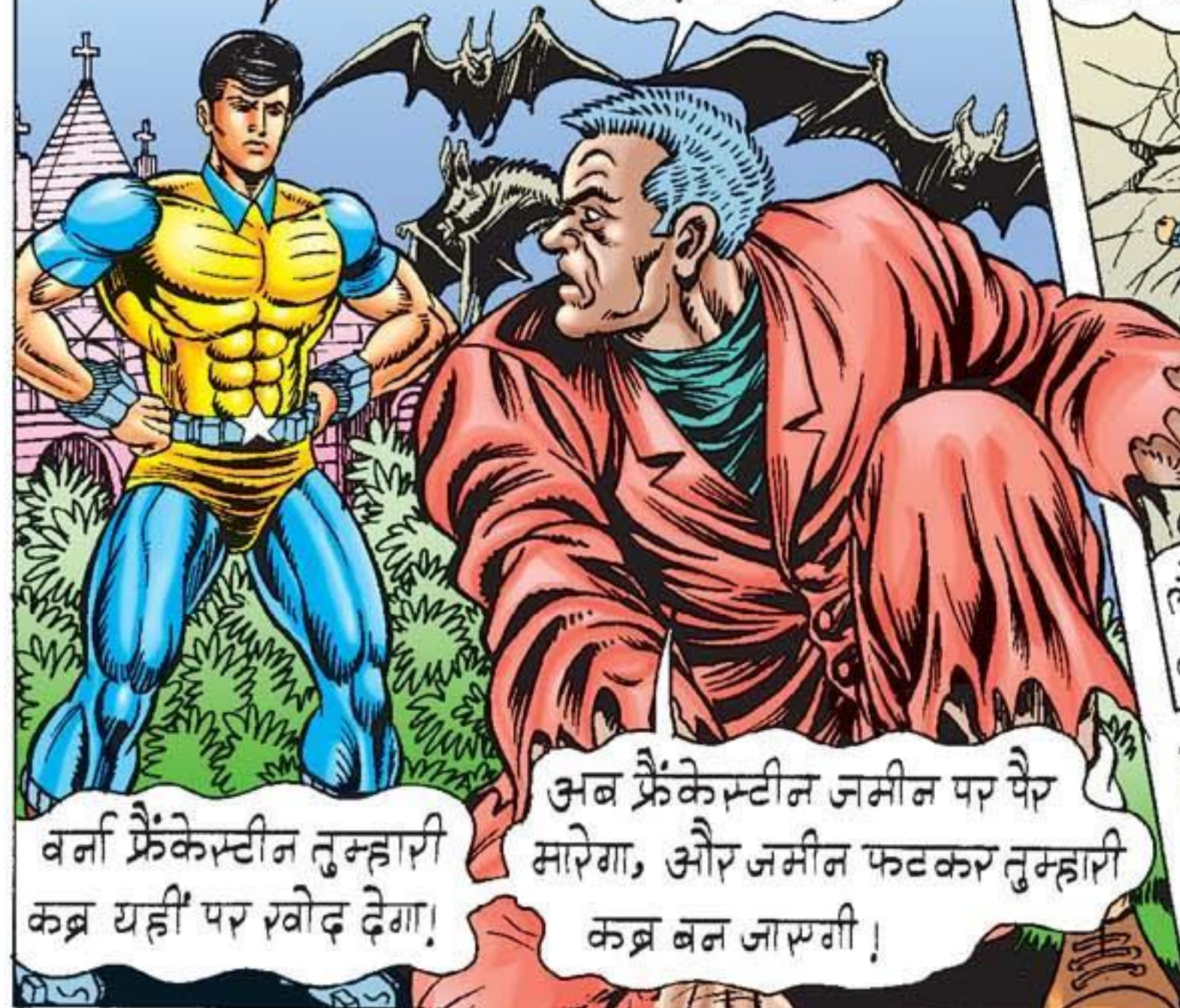
इसी वक्त- राजनगर के दूसरे कोने पर-

हा हा SSSSSSSS

ये... ये क्या है?

कुछ भी हो। डोंट टेक ऐनी चांसेज!...

...शूट टू किल!

ये क्या माजरा है?
पता नहीं, चंडिका! मैं यहां ड्यूटी पर था! तब तो ये औरत ठीक-ठाक उस तरफ गई थी! पर लौटी तो ये वैम्पायर बन चुकी थी!
वैम्पायर! ओह! तब तो इससे निपटना आसान नहीं होगा! क्योंकि मैंने सुना है कि...
...वैम्पायरों में अद्भुत शारीरिक शक्ति होती है!
तूने ठीक सुना है लड़की! थोड़ी देर में तुझमें भी मेरी जितनी ताकत आ जाएगी!
जब मैं तेरा खून पिऊंगी तो तू भी मेरी जैसी वैम्पायर बन जाएगी!
शाबाश! अब हम दोनों मिल-कर इसका खून पिएंगे! आधा-आधा!
अब तेरे पास खून ही नहीं रहेगा! हिलना मत! वर्ना मुझे तेरी खोपड़ी में छेद करना पड़ेगा, और हम मरों का खून नहीं पीते!
ठीक है! लेकिन पहले मैं इसका खून पिऊंगा!
नहीं! पहले मैं! लेडीज वैम्पायर फर्स्ट!
सॉरी, वैम्पायर बहना! मैंने दो दिन पहले ही अपना ब्लड डोनेट किया है! अभी तो मेरे पास खुद खून की कमी है!
तड़ाक
जल्दी का काम शैतान का काम होता है-
हड़बड़ी में दोनों को पता ही नहीं चला कि कब चंडिका बीच से खिसक गई-
बड़ा गंदा स्वाद है इसके खून का!
चुस चुस
(चुस चुस) अगर मुझे भूख न लगी होती तो इतना सड़ा खून मैं कभी न पीती!

ओह! ये... ये मुझे क्या हो रहा है? मैंने... अरे... मैंने तेरा खून पिया है?
और मैंने तेरा! तभी खून का स्वाद मरे चूहे के खून जैसा था! ये... ये क्या हो गया? वैम्पायर एक-दूसरे का खून नहीं पी सकते!
हां! ऐसा करने से वैम्पायरों में ऊर्जा की इतनी अधिकता हो जाती है...
...कि ये नाजुक मानव शरीर उस ऊर्जा का दबाव नहीं सह सकता!
वाह! अंजाने में मैंने वैम्पायरों की एक कमजोरी ढूंढ़ ली है!
अब इस मुसीबत की जड़ को ढूंढ़ना होगा! पुलिसवाले के अनुसार वह औरत जब इस तरफ से वापस आई तो वैम्पायर बन चुकी थी! यानी इधर ही है...
...वैम्पायरों का उत्पादन करने वाली फैक्ट्री!

राजनगर के दूसरे छोर पर-
आश्चर्यजनक! इसने तो अपने सिर को धड़ से वापस जोड़ लिया!
ये वैम्पायर नहीं है! लेकिन ये ड्रैकुला का सबसे शक्तिशाली सेवक है! इसलिए ड्रैकुला ने मुझे बिल से निकालने के लिए इसको भेजा है! इस पर वे तांत्रिक वार भी काम नहीं करेंगे जो वैम्पायरों पर असर करते हैं!
वह इसलिए क्योंकि इसको जोड़-जोड़कर ही बनाया गया है! इसके शरीर में न जाने कितने मुर्दों के अंग लगे हैं!
लोरी! तो आखिर तू बाहर निकल ही आई! अब फ्रैंकेस्टीन तुझको मालिक के पास ले जाएगा...
तड़ाक
लोरी! तुम यहां पर क्यों आ गई?
क्योंकि मुझे लगा कि तुमको मेरी मदद की जरूरत पड़ सकती है!
मैं इसको भ्रमित करने की कोशिश करता हूं, लोरी!
जिसके पास दिमाग न हो उसको तुम भला भ्रमित कैसे करोगे?
इसको सदियों पहले एक जीव वैज्ञानिक ने बनाया था! उसने इसके अंग तो मुर्दों के अंग जोड़-जोड़कर बना दिए पर उसको दिमाग नहीं मिल पाया!

फिर उसने इसको जिन्दा कैसे किया? और जब इसमें दिमाग है ही नहीं तो इसके अंगों को कौन सी चीज कंट्रोल करती है?

इलेक्ट्रिकल चार्ज! इसके शरीर को एनर्जी कंट्रोल करती है! और वही इसके अंगों को जीवन देती है!

फिर तो अपना काम हो गया! ऊर्जा का संपर्क अगर धरती से करा दिया जाए तो धरती सारी ऊर्जा सोख लेती है! और ये काम करेगा ये केबल!

केबल का एक सिरा जमीन में धंसा-

और दूसरा फ्रैंकेस्टीन के शरीर में जा धंसा-

ये... ये तड़प रहा है! लगता है तुम्हारी ट्रिक काम कर गई है, ध्रुव!

लेकिन-

आऽऽऽह! अक्! ये... ये तो और शक्तिशाली हो गया है! पर कैसे?
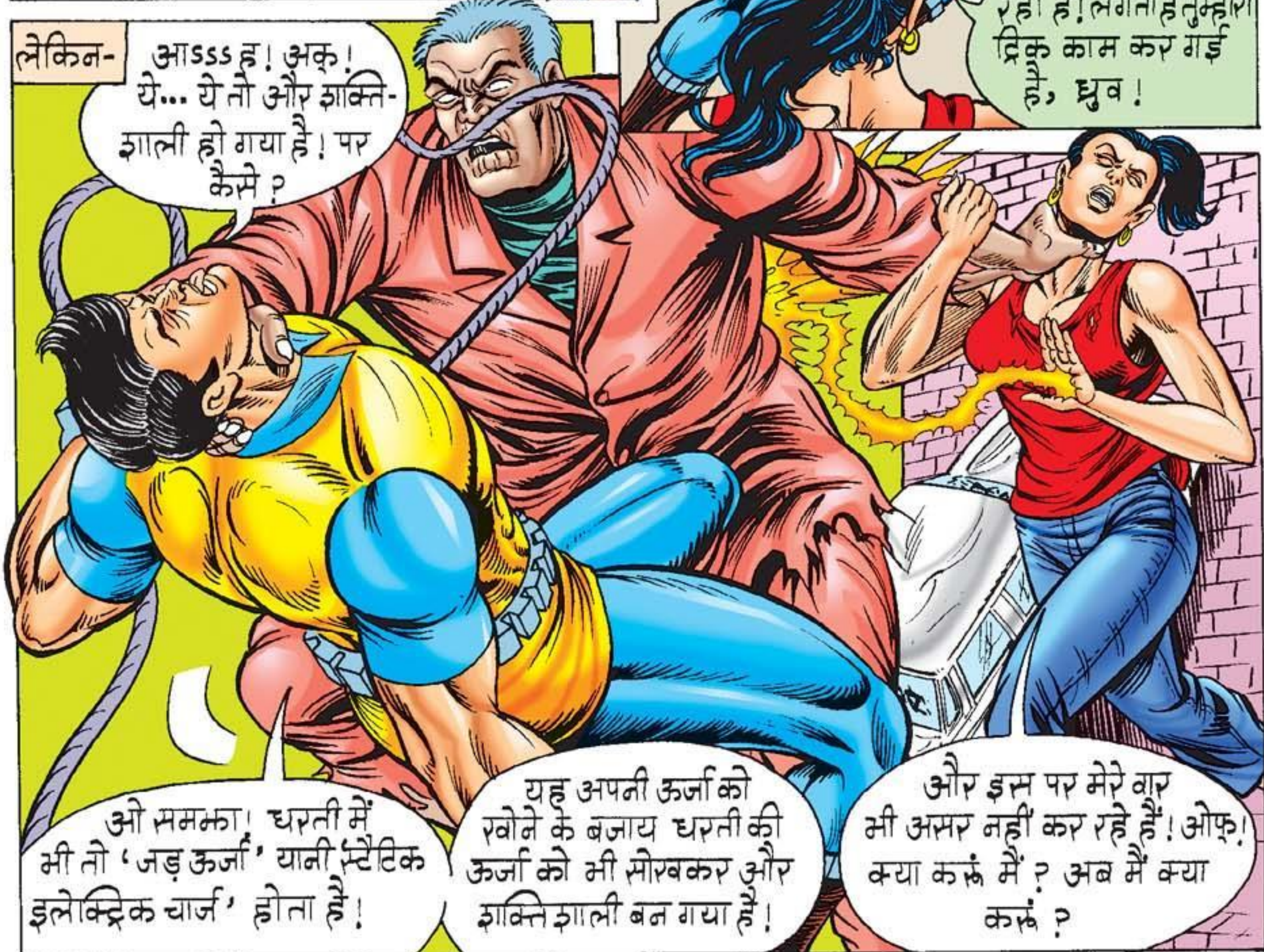
ओ समझा! धरती में भी तो 'जड़ ऊर्जा' यानी स्टैटिक इलेक्ट्रिक चार्ज' होता है!

यह अपनी ऊर्जा को खोने के बजाय धरती की ऊर्जा को भी सोखकर और शक्तिशाली बन गया है!

और इस पर मेरे वार भी असर नहीं कर रहे हैं! ओफ़! क्या करूं मैं? अब मैं क्या करूं?

अगर तुम मदद नहीं कर सकती तो फिर तुम्हारा यहां पर रहना भी उचित नहीं है! मैं इस शैतान से निपटने की कोशिश करता हूं! तुम चर्च की तरफ भागो!
लेकिन ध्रुव... मैं...
तड़ाक
भागो!
तू कहां भागेगी? अब तो तू सिर्फ फ्रैंकेंस्टीन के साथ जाएगी!
ओ माई गॉड! इसने तो दो विशालकाय चमगादड़ों को मेरा रास्ता रोकने के लिए बुला लिया है!
और ये मुझ पर हमला कर रहे हैं! मुझे नोंच-नोंचकर मेरा खून बहाकर मुझे कमजोर करना चाहते हैं!
मैं इनको आपस में ही लड़वा सकती हूं!
लोरी की उस तांत्रिक किरण ने चमगादड़ों की भावनाओं को ही बदल दिया-
और दोनों चमगादड़ एक-दूसरे पर ही टूट पड़े-
कींच कींऽऽऽच
आऽऽऽह! शाबाश लोरी! अब इससे पहले कि... अक्... और चमगादड़ आएं... तुम भागो! अक्!
नहीं लोरी! रुको! आक्!
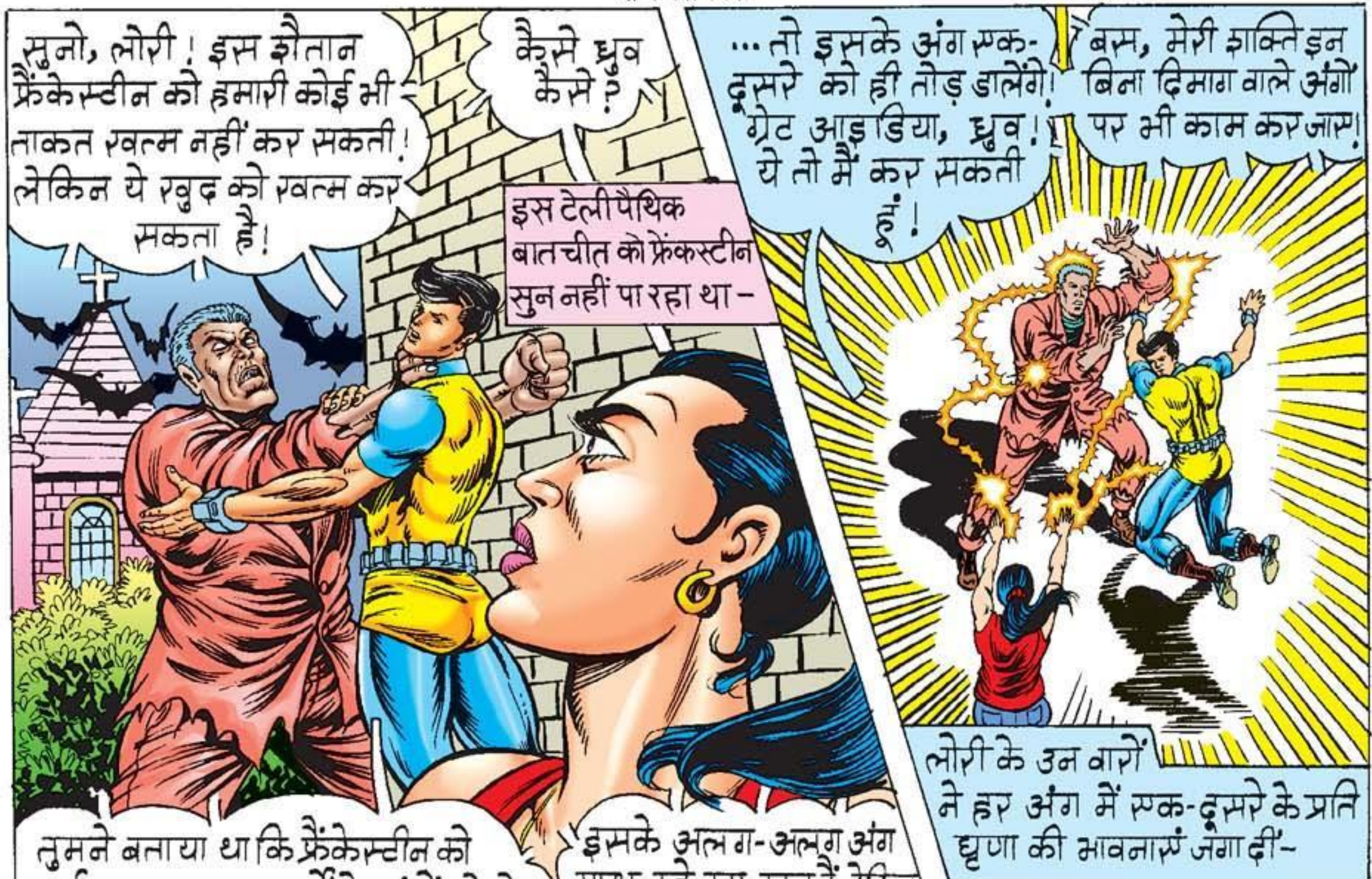
सुनो, लोरी! इस शैतान फ्रैंकेस्टीन को हमारी कोई भी ताकत खत्म नहीं कर सकती! लेकिन ये खुद को खत्म कर सकता है!
कैसे ध्रुव कैसे?
इस टेलीपैथिक बातचीत को फ्रेंकस्टीन सुन नहीं पा रहा था–
तुमने बताया था कि फ्रैंकेस्टीन को कई अलग-अलग मुर्दों के अंगों को जोड़कर बनाया गया है, और इंसानों में एक-दूसरे से घृणा करने की प्रवृत्ति होती है!
इसके अलग-अलग अंग साथ जुड़े हुए जरूर हैं लेकिन उनमें से हर अंग की वही सोच होगी जो उस अंग के मालिक की थी! अगर तुम उस सोच में छुपी घृणा की भावना को भड़का सको तो...
...तो इसके अंग एक-दूसरे को ही तोड़ डालेंगे! ग्रेट आइडिया, ध्रुव! ये तो मैं कर सकती हूं!
बस, मेरी शक्ति इन बिना दिमाग वाले अंगों पर भी काम कर जाए!
लोरी के उन वारों ने हर अंग में एक-दूसरे के प्रति घृणा की भावनाएं जगा दीं–
और–
तड़ाक
धम्म
पीं पीं पीं प
शाबाश लोरी! मैं तुम्हारी तंत्र साधना से बहुत प्रभावित हूं! बिना तुम्हारी मदद के इन शैतानों से भिड़ पाना असंभव है!
ओह! स्टार ट्रांसमीटर पर मैसेज आ रहा है!
ध्रुव! राजनगर के कई निवासी वैम्पायरों में बदल गए हैं! कैसे, यह अभी पता नहीं! लेकिन वे सभी उस चर्च की तरफ बढ़ रहे हैं, जहां पर तुम मौजूद हो!
हे भगवान! मुझे तो उनकी भीड़ की आवाजें भी आ रही हैं!
किसकी ध्रुव?

इनकी! राज-नगर के इन निवासियों की जिनको किसी ने वैम्पायर बना दिया है!
ये ड्रैकुला के अलावा और किसी का काम हो ही नहीं सकता है ध्रुव!
और हम इन पर किसी भी तरह का हमला नहीं कर सकते, क्योंकि हमारा काम इनको इस रूप से मुक्ति दिलाना है, खत्म करना नहीं!
ये ड्रैकुला का ही हमला है! ऐसा करके वह अपने सेवकों की तादाद को बढ़ा रहा है!
सही कहा लोरी! उसको फ्रेंकेस्टीन की हार का पता चल गया है! और उसने इन लोगों को तुम्हारा रास्ता रोकने के लिए भेजा है!
इन्होंने तो चर्च की तरफ जाने का रास्ता रोक रखा है, ध्रुव! बगैर इन पर हमला किए हम चर्च तक नहीं पहुंच सकते! और ये हमारे पास आते ही जा रहे हैं!
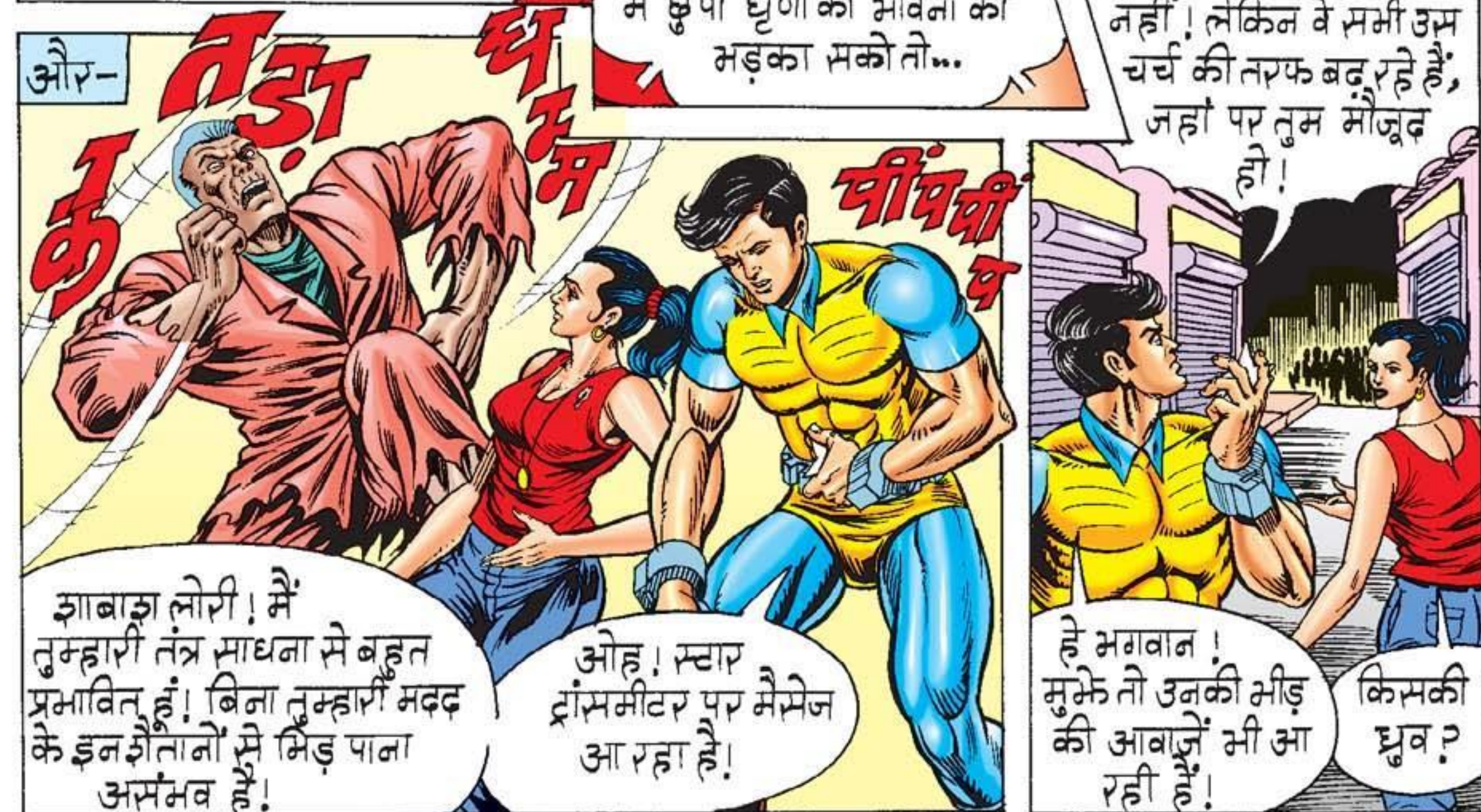
ये जमीन के ऊपर हैं नीचे नहीं! कूदो इस सीवर में लोरी!
हम सीवर लाइन के रास्ते से चर्च में पहुंच सकते हैं!
कुछ पलों में ही-
कोई सीवर में हमारा रास्ता रोक कर खड़ा हुआ है ध्रुव!
वह तो तुमको देनी ही होगी!
दोनों सीवर लाइन के रास्ते से चर्च की तरफ बढ़ रहे थे-
अब मैं फादर ब्रायन की बात पर सोचने के लिए मजबूर हो गई हूं!
ये आकृति जानी-पहचानी सी लग रही है...
मेरे ख्याल से ये तो...
...चंडिका है! और ये वैम्पायर बन चुकी है!
ऐसे तो ड्रैकुला पूरे संसार को बर्बाद कर डालेगा! उसको खत्म होना ही होगा!
और उसके लिए मुझको जान देनी ही होगी!
मैं जानती थी कि तुम लोग इसी रास्ते से भागोगे!

... लेकिन अब तुम लोग वहां जाओगे जहां मैं चाहूंगी!
ओ माई गॉड! ओ माई गॉड! अब मैं जिन्दा रहना नहीं चाहती! फादर ब्रायन तक मेरी हड्डियों को पहुंचाना अब तुम्हारी जिम्मेदारी है ध्रुव!
मुझे मरने दो ध्रुव! मरने दो! यही दुनिया को बचाने का एकमात्र तरीका है!
ओह! अब तू मुझसे लड़ेगा! अच्छा है! अब पहले मैं तुमको वैम्पायर बनाऊंगी, फिर हम दोनों मिलकर लोरी को मालिक ड्रैकुला के पास ले चलेंगे!
बेवकूफी मत करो लोरी! जानबूझकर मरने के लिए चंडिका के सामने मत आओ!
न तुम ड्रैकुला के पास वापस जाओगी चंडिका, और न ही मैं जाऊंगा! हम दोनों सीधे अस्पताल जाएंगे तुम्हारे पूरे चेकअप के लिए!
वहां पर तो तुमको अकेले जाना पड़ेगा!
क्योंकि मुझसे मार खाने के बाद तुमको सिर्फ अस्पताल वाले ही बचा सकते हैं! चाहे कुछ घंटों के लिए ही सही!
चंडिका अपना ध्यान मुझसे लड़ने में नहीं, बल्कि मुझे वैम्पायर बनाने में लगा रही है...
और इससे मुझे इस पर वार करने का मौका...
धड़ाक
... आऽऽऽह! इसमें तो फुर्ती और शक्ति दोनों ही बढ़ गई हैं! मेरा दिमाग अंधेरे में डूब रहा है!

आश्चर्यचकित लोरी को संभलने का मौका ही नहीं मिला-
आऽऽऽह! अब ये मेरा खून पीकर मुझे वश में करना चाहती है। और मेरी नजर में ये अभी तक चंडिका ही है! मैं इस पर वार नहीं कर सकती!
लोरी दुविधा में थी! और चंडिका के दांत उसकी गर्दन में धंसने ही वाले थे-
लेकिन चंडिका के दांतों में कुछ और आ धंसा-
अक!
मुझे समय पर होश आ गया!
ये... ये क्या है ध्रुव?
ये तारकोल का वह गोला है जो शायद ऊपर सड़क बनते वक्त रिसकर नीचे आ गिरा होगा! धूप न मिलने के कारण इसका मुलायमपन अभी तक बरकरार है!
अब जब तक ये चंडिका के दांतों में फंसा हुआ है तब तक हम सुरक्षित हैं! या शायद नहीं! हम दांतों से तो बच गए हैं, लेकिन इसके हाथों से कैसे बचें? मैं लड़कियों पर हाथ सिर्फ तभी उठाता हूं जब या तो वे बेहद बदमाश हों या और कोई चारा न बचा हो!
तुम वार नहीं कर सकते और मैं इससे लड़ी तो दो सेकंड में चित्त हो जाऊंगी! फिर हम क्या करें?
ओ! एक तरीका है! हमको अपना कांबीनेशन बनाना पड़ेगा!
कैसे ध्रुव?
ऐसे! वार मैं नहीं करूंगा! तुम करोगी! लेकिन मेरे इशारे पर!
अब चंडिका पिटने के अलावा और कुछ नहीं कर सकती थी-

लेकिन ज्यादा देर के लिए नहीं! जल्दी ही इसको होश आ जाएगा! उससे पहले ही इसको अस्पताल पहुंचाना बहुत जरूरी है! तुम्हारी उन चोटों से भी खून बह रहा है जो फ्रैंकेस्टीन ने तुमको लगाई थी! वैसे तो तुमको भी मरहम पट्टी की जरूरत है, लेकिन वह तुमको चर्च में भी मिल सकती है! तुम इस रास्ते से चर्च के अंदर पहुंचो...

मैं चंडिका को अस्पताल में छोड़कर जल्दी ही चर्च पहुंचता हूं!

मेन कैथोलिक चर्च में-

मरहम- पट्टी के बाद तुम अपने- आपको जरूर स्वस्थ महसूस कर रही होगी लोरी! अब... अरे!

लोरी! कहां हो तुम?

मैं यहां हूं फादर!
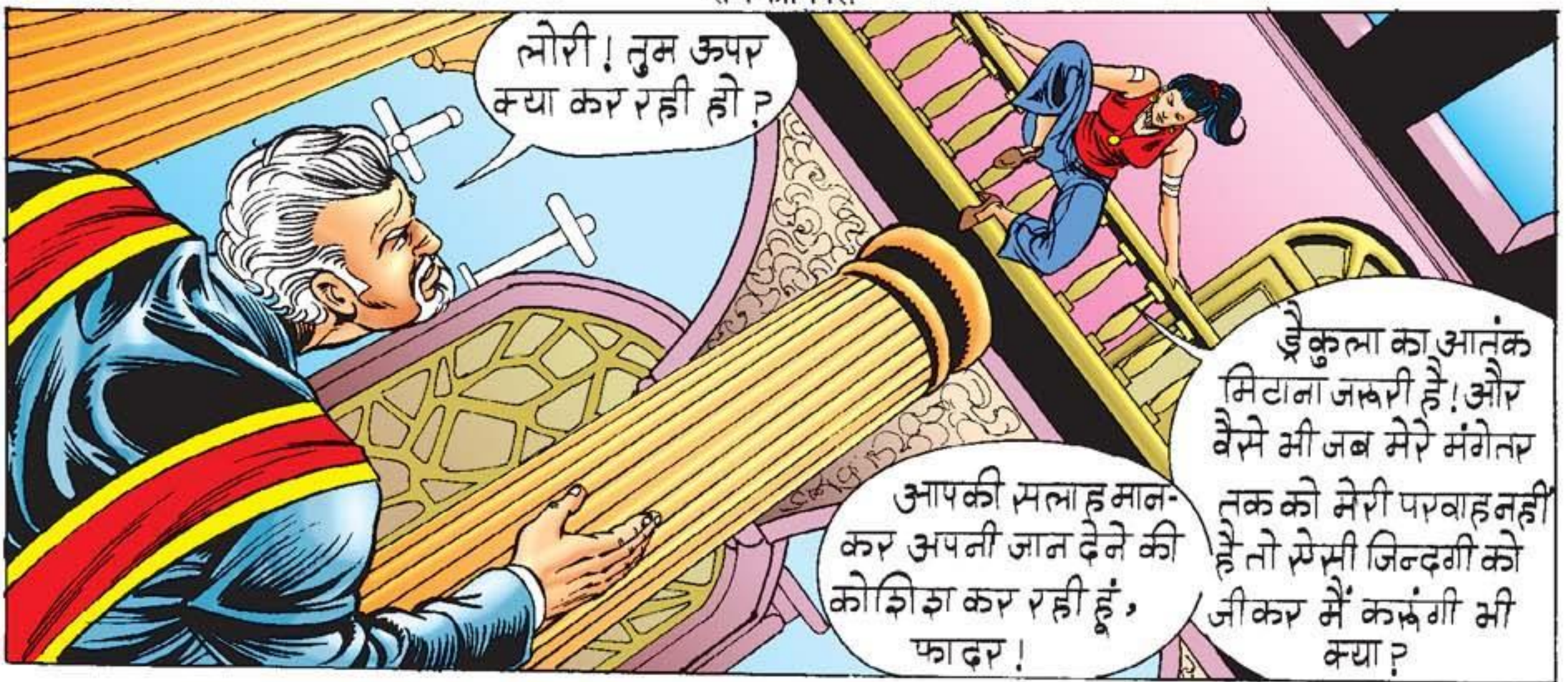
लोरी! तुम ऊपर क्या कर रही हो?
ड्रैकुला का आतंक मिटाना जरूरी है! और वैसे भी जब मेरे मंगेतर तक को मेरी परवाह नहीं है तो ऐसी जिन्दगी को जीकर मैं करूंगी भी क्या?
आपकी सलाह मानकर अपनी जान देने की कोशिश कर रही हूं, फादर!

मेरे मरने के बाद कम से कम मेरी हड्डियां तो काम में आ जाएंगी!
नहीं, लोरी! तुम अगर मर गई...

... तो मेरा जीना भी असंभव हो जाएगा!
मार्क! तुम... तुम आ गए? और तुमने मुझको ढूंढ भी निकाला! पर कैसे?
तुम्हारे जाने के बाद मुझे अपने-आप पर बहुत शर्म आई! इसलिए मैंने चार गुने पैसे देकर प्लेन का टिकट खरीदा!...
... और यहां पर संयोग से मेरी मुलाकात ध्रुव से हो गई! मैं उसी के साथ आया हूं!

मार्क सही कह रहा है लोरी! सिर्फ इसको ही नहीं, उन सैकड़ों राजनगर वासियों को तुम्हारी जरूरत है जिसको ड्रैकुला ने वैम्पायर बना दिया है! और उनका इलाज तुम्हारी रगों में दौड़ रहा है! तुम्हारा खून!
मेरा खून! पर ये तुमने कैसे जाना?
चंडिका में वैम्पायरों के कोई लक्षण नहीं हैं! याद करो पानी में मुंह के बल गिरने से पहले वह वैम्पायर थी! लेकिन उस पानी में तुम्हारे पैर से निकलता खून भी घुल रहा था! मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि उस खून के संपर्क में आने से चंडिका में वैम्पायर के लक्षण खत्म हो गए!

... जब 'अस्थिक्रॉस' को दान करने वाला प्राण त्याग चुका हो। क्योंकि 'अस्थिक्रॉस' तभी प्रभावकारी होगा जब उसके साथ अस्थि दान करने वाले की आत्मा की शक्ति भी शामिल हो, और आत्मा सिर्फ मरने के बाद ही शरीर छोड़ती है।

यानी लोरी को यह विनाश रोकने के लिए मरना ही होगा! ऐसा नहीं हो सकता! मैं नहीं चाहता कि लोरी मरे या फिर अपाहिज होकर जिन्दगी बिताए। कुछ सोचो ध्रुव, कुछ सोचो।

एक तरीका है! पता नहीं वह सफल होगा या नहीं! अगर मेरा तरीका सफल नहीं हुआ तो फिर मैं भी लोरी को मरने से नहीं रोक पाऊंगा।

क्योंकि तब शायद मैं खुद ही नहीं रहूंगा। आओ लोरी मेरे साथ।

कहां ध्रुव?

हम चंडिका को देखने के लिए जा रहे हैं।

"और फिर उसके बाद हम ड्रैकुला को ढूंढने निकलेंगे! जो तुम पर नजर पड़ते ही खुद सामने आ जाएगा-"

ध्रुव खुद ड्रैकुला के सामने जा रहा है! आज एक सुपर हीरो मरेगा या वैम्पायर बनेगा!

ये मत भूल कि ध्रुव के साथ लोरी भी है! वह ड्रैकुला की जिन्दगी भी बन सकती है, और मौत भी!

अभी दम साधकर देखता रह!

ड्रैकुला ने अपने शिकार को ढूंढ़ लिया था-

लोरी!

आहा! तो आखिरकार तू मेरे द्वारा फैलाए गए विनाश से घबराकर बाहर निकल ही आई!

अच्छा किया! वैसे भी मेरे सेवक तुझे जल्दी ही ढूंढ़ निकालते!

रुक जाओ ड्रैकुला! लोरी को मैं तुम्हें उसका खून पिलाने के लिए नहीं, बल्कि चारा बनाकर तुम्हें पकड़ने के लिए लाया हूं!

ओsss ह! यानी तुझे मुझसे डर नहीं लग रहा है! तू जरूर वही होगा जिसने रुक्वा वैम्पायर और फ्रैंकेस्टीन को हराने में इसकी मदद की थी!

तेरे खून का स्वाद भी मैं जरूर चखूंगा, लेकिन लोरी के खून का स्वाद चखने के बाद!

घच्च

उसका मौका तुझको नहीं मिलेगा, ड्रैकुला!

आsss ह! तो तूने किसी पुरानी किताब में पढ़ रखा है कि ड्रैकुला के दिल में क्रॉस घुसाने से वह मर जाता है!

लेकिन ये बात अब उन किताबों की तरह ही पुरानी हो गई है! देख ले, मैं नहीं मरा!
लेकिन तू अब जरूर मरेगा!
तड़ाक
अपनी ये चाल तो बेकार हो गई! भागो लोरी भागो!
ये अब कहां भागेगी? ये भागकर कहीं जा ही नहीं सकती!
क्योंकि तुमको चारों तरफ से मेरे सेवकों ने घेर रखा है!
देख लो! अब तक मैं इतने सारे राजनगर वासियों को अपना गुलाम बना चुका हूं!
मैं जानता था कि तुम हमको रोकने के लिए तुम यही करोगे!
पीटर! आपरेशन ड्रैकुला का दूसरा चरण शुरू करो!
ओ. के. कैप्टेन!
पास की ही एक ऊंची इमारत की छत पर खड़े पीटर ने तुरन्त ध्रुव के हुक्म पर अमल किया-
और वैम्पायरों की भीड़ पानी में भीगने लगी-
ये पानी की इस तेज फुहार से नहीं हटेंगे! ये तो सिर्फ...
...अरे! ये... ये क्या? इनके चेहरे सामान्य हो रहे हैं!
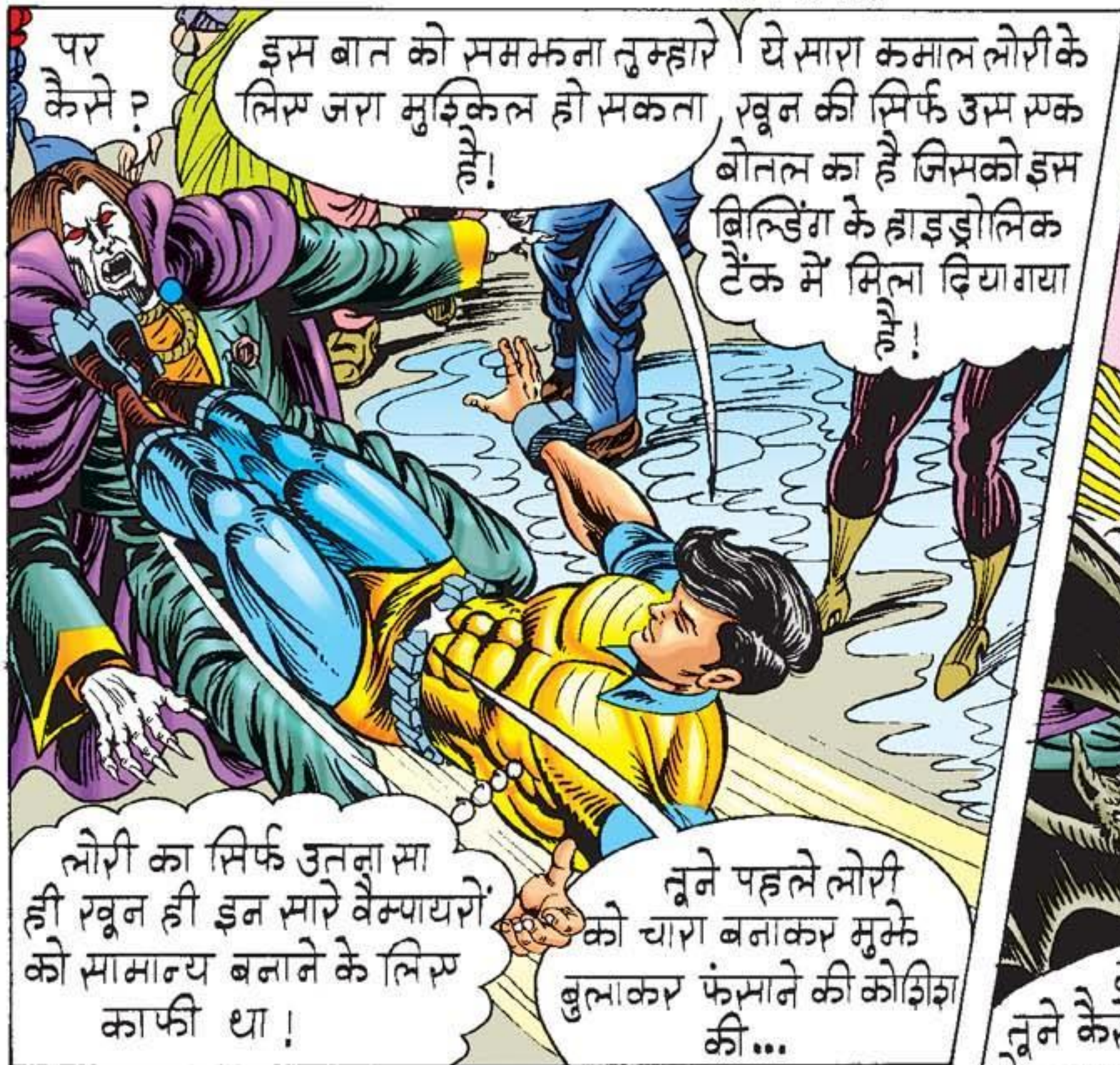
पर कैसे ?
इस बात को समझना तुम्हारे लिए जरा मुश्किल हो सकता है!
ये सारा कमाल लोरी के खून की सिर्फ उस एक बोतल का है जिसको इस बिल्डिंग के हाइड्रोलिक टैंक में मिला दिया गया है!
लोरी का सिर्फ उतना सा ही खून ही इन सारे वैम्पायरों को सामान्य बनाने के लिए काफी था!
तूने पहले लोरी को चारा बनाकर मुझे बुलाकर फंसाने की कोशिश की...
...फिर तूने ऐसी चाल चली कि मैं अपने सारे वैम्पायर सेवकों को यहां पर बुलाने के लिए मजबूर हो गया! ऐसा तूने जानबूझकर किया ताकि तू मेरे सारे सेवकों को फिर से इंसान बना सके!
मुझे पता नहीं कि ऐसा तूने कैसे किया? लेकिन तू मेरी उम्मीद से ज्यादा खतरनाक है! शायद यूलो-जियन से भी ज्यादा खतरनाक!
इसलिए मैं तुमको एक पल का भी मौका और नहीं दूंगा!
ध्रुव पर चमगादड़ों की टोली टूट पड़ी-
और ध्रुव के शरीर में जगह-जगह पर नुकीले दांत धंसकर उसका खून चूसने लगे-
अब इधर ये तेरा खून चूसेंगे और उधर मैं लोरी का!
आsss ह! ये चमगादड़ तादाद में बहुत ज्यादा हैं! सिग्नल फ्लेयर की तेज रोशनी से चमगादड़ घबराते तो हैं लेकिन संख्या में ज्यादा होने के कारण रोशनी कई चमगादड़ों की आंखों तक पहुंच ही नहीं पा रही है!

अपने साथियों को मदद के लिए बुलाना होगा! उड़ने वालों को उड़ने वाले ही मार सकते हैं!
चींचींssss
अपने दोस्तों के आते ही ध्रुव को चमगादड़ों से छुटकारा मिल गया-
ओह! ड्रैकुला लोरी का खून पीने में सफल हो गया है!
धोखा! ये लोरी नहीं है। ये वह रक्त नहीं है, जिसकी मुझे तलाश थी!
मैं इतना बेवकूफ नहीं हूं कि लोरी को तुम्हारे सामने ले आता! ये लोरी के वेष में मेरी कमांडो फोर्स की कैडेट रेणु है!
जिसको पीटर लोरी के रक्त मिश्रित पानी से ठीक कर लेगा!
इस धोखे की सजा तुझे मिलेगी!
ड्रैकुला की आंखें चमक उठीं-
और सम्मोहन किरणों ने ध्रुव के शरीर को जड़ कर दिया-
अब मैं तेरा खून नहीं पिऊंगा...
...बल्कि मेरा खून तुझे पिएगा!
ओह! खून की धार मेरे शरीर की तरफ बढ़कर...
...मेरे शरीर के ऊपर चढ़कर उसको ढक रही है!

आऽऽऽह! ये खून मेरे जिन- जिन अंगों को घेरताजा रहा है, वे सारे अंग मेरे काबू से बाहर होते जा रहे हैं!
ओह, बच गया! पीटर ने पानी की धार को मेरी तरफ मोड़ दिया है! पानी इस रक्त को धो डालेगा!
नहीं! ये तो गोंद की तरह गाढ़ा है! पानी से भी नहीं घुला!

और इसके चढ़ने की गति और तेज हो गई है! क्या करूं? कैसे हटाऊं इस खून को!
ओह, यस!
मैं कोशिश करूं तो गले से थोड़ी बहुत आवाज निकाल सकता हूं!
चीं चीं चीं चूं चूंऽऽऽ

ध्रुव के इशारे पर चिड़ियों का एक झुंड बिजली के तारों से जा टकराया-

और उड़ती चिंगारियों के बीच में से बिजली का तार टूट कर जमीन पर आ गिरा-

बिजली का तार जमीन पर गिरते ही खून की धार में भी करेंट दौड़ गया-

और ध्रुव के शरीर पर चढ़ी खून की पर्त टूट-टूटकर गिरने लगी-
और साथ ही साथ करेंट के झटके ने ध्रुव के दिमाग को भी सम्मोहन से आजाद करा दिया-
ये... ये कैसे हो गया?
विद्युत जैसी चीज तुम्हारे जमाने में सिर्फ आकाश पर ही चमका करती थीं ड्रैकुला! इसीलिए तुम इसके गुण नहीं जानते हो!
इसकी धारा, रक्त में दौड़ते ही ये रक्त में से कोशिकाओं और पानी को अलग- अलग करके रक्त को नष्ट कर देता है!
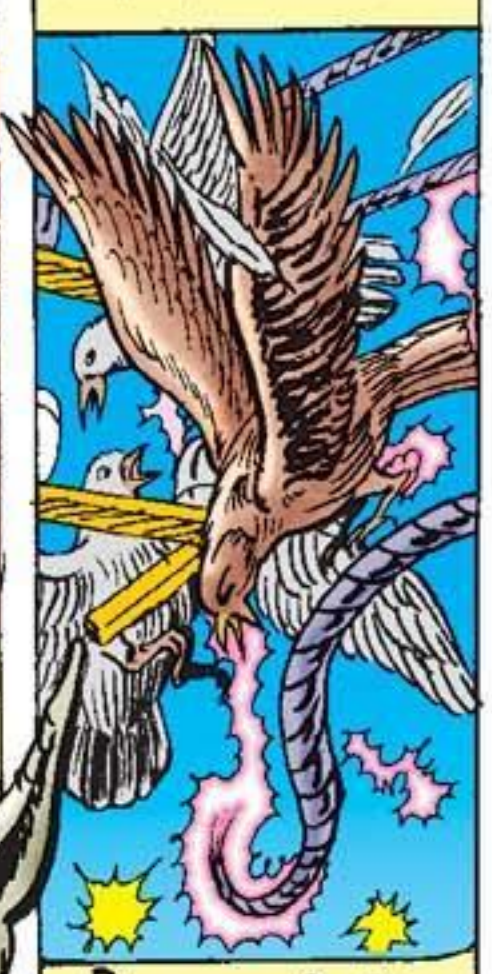
✲ जिलेटिनः वह पदार्थ जिससे दवाई के कैप्सूल बनाए जाते हैं। पेट के अम्ल इसको पिघला देते हैं।

यह कहानी चाहे समाप्त हो गई हो पर ड्रैकुला की कहानी अभी समाप्त नहीं हुई है।